दैनिक

लोकहित की पुकार

RNI-MPHIN/37343

राजगढ़, बुधवार 22 मई, 2024 | वर्ष-03 | अंक-193 | पृष्ठ-8 | मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 7 | भीषण गर्मी ने लोगों को झुलसाया, पसीने से हुए तरबतर

पेज- 8 | पचोर में हाइवे पर यात्री बस पलटी दो लोगों की मौत, 40 घायल

कोलकाता ने क्वालिफायर-1 में अजेय रहने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा, चौथी बार बनाई फाइनल में जगह

अहमदाबाद। दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर खेले गए क्वालिफायर-1 मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन किया और हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर शान से फाइनल में जगह बनाई। केकेआर के लिए तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की अगुआई में गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की। इसके बाद वेंकटेश अय्यर और कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद अर्धशतक जड़कर टीम को जीत दिलाई। कोलकाता की टीम तीन बार क्वालिफायर-1 खेल चुकी है और तीनों ही मौकों पर उसे जीत मिली है। केकेआर ने क्वालिफायर-1 में अजेय रहने का अपना रिकॉर्ड हैदराबाद के खिलाफ भी बरकरार रखा।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल त्रिपाठी के 35 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 19.3 ओवर में 159 रन बनाए। केकेआर की ओर से आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा महंगे बिकने वाले स्टार्क ने चार ओवर में 34 रन देकर तीन विकेट झटके। जवाब में कोलकाता के लिए वेंकटेश और श्रेयस ने शानदार बल्लेबाजी की। इन दोनों की बेहतरीन पारियों की मदद से केकेआर ने 13.4 ओवर में ही दो विकेट पर 164 रन बनाकर मैच जीत लिया। कोलकाता की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 2012, 2014 और 2021 सीजन के खिताबी मुकाबले में पहुंची थी जिसमें से टीम ने दो बार ट्रॉफी जीती थी। श्रेयस ने 24 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्के की मदद से नाबाद 58 रन और वेंकटेश अय्यर ने 28 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 51 रन बनाए।

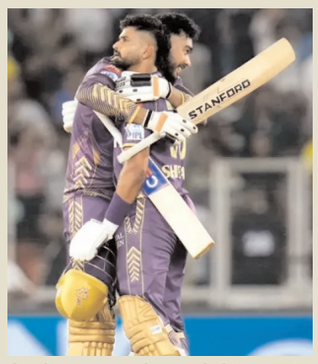

हैदराबाद को मिलेगा एक और मौका

कोलकाता की टीम भले ही आईपीएल 2024 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, लेकिन हैदराबाद की टीम हार के बावजूद टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है और उसे खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने का एक मौका और मिलेगा। हैदराबाद का सामना अब क्वालिफायर-2 में आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स के बीच बुधवार को होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से शुक्रवार को होगा। क्वालिफायर-2 की विजेता टीम का सामना रविवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर होने वाले खिताबी मुकाबले में केकेआर से होगा।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता को रहमानुल्लाह गुरबाज और सुनील नरेन की तेज शुरुआत दिलाई। फिल सॉल्ट की अनुपस्थिति में खेलने उतरे गुरबाज ने टीम को निराश नहीं किया और पहले विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी की। टी. नटराजन ने पावरप्ले के बाद हालांकि गुरबाज को आउट कर केकेआर को पहला झटका दिया। गुरबाज 14 गेंदों पर 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नरेन ने भी हाथ खोले और कुछ शॉट्स लगाए, लेकिन पैट कमिंस ने नरेन को आउट कर हैदराबाद को दूसरी सफलता दिलाई। नरेन 16 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए। दो झटके लगने के बाद ऐसा लग रहा था कि केकेआर की टीम दबाव में आ जाएगी, लेकिन वेंकटेश और श्रेयस ने दमदार बल्लेबाजी की और हैदराबाद के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा।

बुंदेलखंड में भीषण गर्मी से बीमारियों की चपेट में आकर सात की मौत

चित्रकूट/महोबा। बुंदेलखंड के जिले में इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मंगलवार को उल्टी-दस्त और बुखार से पीड़ित सात लोगों की अस्पताल में मौत हो गई। इनमें चार लोगों की मौत चित्रकूट और तीन लोगों की मृत्यु महोबा में हुई। चित्रकूट में उल्टी-दस्त और बुखार के मरीज बढ़ गए हैं। तेज बुखार होने पर सकरौली गांव के राजनरेश (62) को लेकर परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इसी तरह रानीपुर भट्ट की पांच माह की अवंतिका को भी तेज बुखार के बाद अस्पताल लाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। वहीं चकौंध गांव की तिजिया देवी (70) और सरधुवा थाना क्षेत्र के हरीशनपुर के फूलचन्द्र निषाद (55) को उल्टी, दस्त, बुखार के चलते जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इन दोनों ने भी दम तोड़ दिया। उधर महोबा में मंगलवार को जिला अस्पताल में बुखार से दो मासूमों व पेट दर्द से युवती की मौत हो गई।

शहर के मोहल्ला ढपलानापुरा निवासी अदीबा (18) को सोमवार की शाम पेट दर्द की शिकायत होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। परिजन उसे अन्य जगह ले जा रहे थे लेकिन इससे पहले ही उसकी मौत हो गई। इसी तरह सूपा निवासी बृजकिशोर की चार माह की बेटी इशिका व चंदवारा निवासी विजय कुशवाहा के आठ माह के बेटे राहुल को एक दिन से बुखार आ रहा था। देर रात अचानक हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए।

जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीएमएस डॉ. पीके अग्रवाल का कहना है कि गर्मी के मौसम में मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। जिला अस्पताल की ओपीडी में मंगलवार को 1006 मरीज दिखाने पहुंचे। इसमें सर्वाधिक मरीज उल्टी, दस्त और बुखार के मिले।

मध्य प्रदेश में प्रचंड गर्मी का दौर जारी, कुछ स्थानों पर पारा 45 डिग्री के पार

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रचंड गर्मी का दौर आज भी जारी रहा। इस दौरान रतलाम, गुना, ग्वालियर और छतरपुर जिले के नौगांव में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। इन स्थानों पर लू के थपेड़ों से आम जनजीवन काफी हद तक प्रभावित हुआ। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रदेश भर में भीषण गर्मी का दौर लगातार जारी है। इस दौरान रतलाम, गुना, ग्वालियर और छतरपुर जिले के नौगांव में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। वहीं, प्रदेश के दस से अधिक जिलों में पारा 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। इस बीच राजधानी भोपाल में दिन का तापमान 43.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि कुछ मौसमी सिस्टम बने हुए हैं, जिससे पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की बौछारें पड़ीं हैं। इसके बावजूद गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। अगले 48 से 72 घंटों के दौरान प्रदेश में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

पीएम मोदी ने संकट मोचन मंदिर में नवाया शीश

बोले- पहली बार बिना मां के नामांकन किया, अब गंगा ही मेरी मां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां संकट मोचन मंदिर जाकर भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ संकट मोचन मंदिर गए और पूजा-अर्चना की।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई एक पोस्ट में कहा, (मुझे) वाराणसी में आज संकट मोचन हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजन का सौभाग्य मिला। (मैंने) यहां काशी सहित देशभर के अपने परिवारजनों की सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की। प्रधानमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर जय श्री राम और हर हर महादेव के एक साथ नारों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर हैं। नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मोदी सड़क मार्ग से सीधे मंदिर पहुंचे।

रास्ते में मोदी और योगी ने खड़े लोगों का हाथ मिलाकर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर में प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने पूजा-अर्चना करने के बाद मंदिर की परिक्रमा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामांकन से पहले पिछले मंगलवार को काशी के कोतवाल काल भैरव के दर्शन किए थे। इससे पहले मातृशक्ति सम्मेलन में पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत भोजपुरी भाषा में की। पीएम मोदी ने कहा कि यह पहली बार है जब मैं काशी का नामांकन अपनी मां की गैर मौजूदगी में कर रहा हूं। अब मां गंगा ही मेरी मां हैं। इसलिए मैंने कहा था कि मां गंगा ने मुझे काशी बुलाया है। अब तो मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं पार्टी के प्रचार में चाहे कितना भी व्यस्त क्यों ना रहूं, लेकिन बनारस को लेकर हमेशा निश्चिंत रहता हूं। क्योंकि यहां आप लोग सब कुछ संभाल लेते हैं। इस गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आपको कई लोगों के घरों में, गांवों में और बूथों पर जाना होता है। मेरा सुझाव है, कितना भी काम करें, पानी जरूर पिएं और बिना कुछ खाए घर से बाहर न निकलें।

सिंहस्थ संबंधी कार्य उज्जैन की जरूरतों और विकास के अनुसार हों: मुख्यमंत्री

क्षिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारी के संबंध में मंत्रालय में अधिकारियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन नगर की जरूरतों और विकास को ध्यान में रखते हुए सिंहस्थ पर केंद्रित कार्यों का क्रियान्वयन किया जाए। क्षिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्षिप्रा के संरक्षण और जन सुविधा का ध्यान रखते हुए नदी के घाटों को विकसित किया जाए। सिंहस्थ के आयोजन, अनुवीक्षण और समन्वय के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल समिति बनेगी। वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में 3 वर्ष में पूर्ण होने वाले कार्यों को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ में आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जावरा-उज्जैन, इंदौर-उज्जैन फोरलेन, उज्जैन रेलवे स्टेशन की क्षमता वृद्धि तथा उज्जैन के आस-पास फ्लेग स्टेशन विकसित करने जैसे बड़े कार्यों को तत्काल आरंभ करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षिप्रा को अविरल और निर्मल रखने के लिए सभी विभाग और एजेंसी तीन स्तर पर कार्य करेगी। इंदौर-उज्जैन के बीच स्टॉपडेम मरम्मत व निर्माण, गंदे पानी के डायवर्ज़न की योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। इसके लिए आईआईटी से सुझाव और विकल्प भी प्राप्त किए जाएंगे। क्षिप्रा नदी के बेहतर स्वरूप के लिए नमामि क्षिप्रा कार्यक्रम आरंभ किया जाएगा। क्षिप्रा नदी पर सम्पूर्ण शहरी क्षेत्र में नवीन घाटों का निर्माण किया जाएगा। इंदौर, सांवेर, देवास व उज्जैन के नगरीय क्षेत्रों में वर्ष 2040 की जनसंख्या को दृष्टिगत रखते हुए जल-मल योजनाएं और सीवेज ट्रीटमेंट प्लान वर्ष 2027 से पहले पूर्ण कर लिए जाएंगे। कान्ह नदी सहित क्षिप्रा नदी में मिलने वाले सभी नदी-नालों का दिसम्बर 2027 तक ट्रीटमेंट सुनिश्चित किया जाएगा। दसिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन के साथ-साथ सम्पूर्ण मालवा और निमाड़ के जिलों में भी विकास कार्य होंगे। इन जिलों के अधोसंरचनात्मक कार्यों के प्रस्तावों का समय-सीमा में क्रियान्वयन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किर्गिस्तान में रह रहे मप्र के विद्यार्थियों से की फोन पर बात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मोदी सरकार उनकी चिंता कर रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर विवाद के कारण किर्गिस्तान में अशांति की स्थिति निर्मित हुई है। बातचीत में विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि सभी विद्यार्थी हॉस्टल में रह रहे हैं और वहां उन्हें कोई परेशानी नहीं है। मुख्यमंत्री ने रोहित पांचाल, रवि सराठे और विवेक शर्मा से बात की। उनसे अन्य विद्यार्थियों के हालचाल भी पूछे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि वह हॉस्टल में रहकर अपनी पढ़ाई करें। शीघ्र ही उनकी परीक्षा होने वाली है, वे सभी परीक्षा में शामिल हों। इसके बाद ढाई महीने का अवकाश रहेगा, उन्हें घर बुलवा लेंगे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि किसी भी अप्रिय स्थिति निर्मित होने पर वह मध्यप्रदेश में जिला प्रशासन से बात कर सकते हैं। राज्य सरकार को भी सूचना दे सकते हैं। हम तुरंत कार्रवाई करेंगे।

फिलर्ट वैरिएंट के बढ़ते मामलों ने डराया, रहें सावधान

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के मामले कई देशों में एक बार फिर से बढ़ते देखे जा रहे हैं। भारत, सिंगापुर-अमेरिका सहित कई देशों में संक्रमण के मामलों में पिछले एक महीने में भारी उछाल आया है। अध्ययन में बताया गया है कि कोरोना के नए वैरिएंट फिलर्ट में ऐसे म्यूटेशन देखे गए हैं जो इसे तेजी से संक्रमण फैलाने के योग्य बनाते हैं। आलम ये है कि सिंगापुर में 11 मई को समाप्त सप्ताह में 25 हजार से अधिक लोगों में संक्रमण की पहचान की गई है। इससे पहले के सप्ताह में 13 हजार से अधिक मामले रिपोर्ट किए गए थे।

खर्राघाट पर नहाते समय डूबे दो छात्र, मौत

नर्मदापुरम। बीटीआइ स्थित खर्राघाट पर मंगलवार दोपहर 12.30 बजे गुरुकुल शिविर में शामिल होने आये दो छात्र हादसे का शिकार हो गये। दोनों छात्र शिविर का सत्र समाप्त होने के बाद बिना किसी को बताये खर्राघाट पर स्नान करने के लिये आ गये थे। नहाते समय अचानक गहरे पानी में चले गये इसी दौरान हादसे का शिकार हुये। घटना के समय एक अन्य छात्र भी साथ में था जिसने घटना की जानकारी गुरुकुल के आचार्य व अपने वरिष्ठजनों को दी। मौके पहुंचे लोगों ने छात्रों को खोजने का प्रयास किया काफी मशक्कत के बाद भी दोनों छात्रों की जानकारी नहीं लगी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंचे होमगार्ड जवान व पुलिस के अमले ने सर्चिंग अभियान चलाया। गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू की गई। करीब शुरू किया करीबन आधे घंटे के प्रयासों के बाद दोनों छात्रों के शव बरामद कर लिए गए हैं। गुरुकुल के पूर्व छात्र संदीप आर्य ने बताया कि दोनों छात्र विदिशा जिले के वर्धा के रहने वाले हैं आर्यन पिता रामबाबू धाकड़ उम्र 15 वर्ष व केशव बब्लू धाकड़ उम्र 17वर्ष निवासी ग्राम वर्धा जिला विदिशा की डूबने से मौत हो गई।

गुरुकुल में 16 मई से 26 मई तक आर्यवीर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी शिविर में शामिल होने के लिये आर्यन व केशव आये हुये थे। दोपहर के समय खाने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान दोनों छात्र बिना किसी को बताये गुरुकुल परिसर से निकलकर खर्राघाट पर पहुंच गये। बताया जा रहा है कि आर्यन व केशव एक साथ ही नर्मदा नदी में नहाने के लिये उतरे थे। गहरे पानी में जाने के कारण दोनों डूब गये। दोनों छात्रों के खर्राघाट जाने की जानकारी गुरुकुल प्रबंधन में किसी को भी नहीं थी। घटना के बाद से ही प्रबंधन भी सकते में है। घटना की जानकारी लगने के बाद गुरुकुल के छात्र व आचार्य मौके पर पहुंचे। छात्रों के स्वजन भी घटनास्थल पर पहुंच गये थे। शवों को होमगार्ड जवानों ने गहरे पानी से निकाला। शवों को पीएम के लिए जिला अस्पताल लाया गया।

पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका हुई खारिज

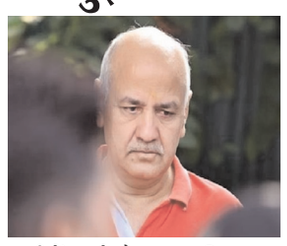

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कथित शराब घोटाले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किए गए धनशोधन और भ्रष्टाचार के मामलों में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने शाम 6:28 बजे आदेश सुनाना शुरू किया जिसमें 22 मिनट लगे। उन्होंने कहा कि सिसोदिया कथित तौर पर इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सहित महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने में शामिल थे। उच्च न्यायालय ने कहा कि सिसोदिया दिल्ली सरकार के सत्ता गलियारे में एक बहुत शक्तिशाली और प्रभावशाली व्यक्ति हैं। हाईकोर्ट कहा कि जांच के दौरान एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि प्रथम दृष्टया सिसोदिया ने अपने पूर्व निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सार्वजनिक प्रतिक्रिया गढ़कर आबकारी नीति बनाने की प्रक्रिया में गड़बडी की। उच्च न्यायालय ने 14 मई को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता, सीबीआई और ईडी की दलीलें सुनने के बाद याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। सिसोदिया ने अधीनस्थ अदालत के 30 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। अधीनस्थ अदालत ने अब समाप्त की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 को तैयार करने और इसके कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में क्रमश: सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज किए गए भ्रष्टाचार तथा धनशोधन मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस बीच, विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मंगलवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ा दी।

पुणे की भीषण कार दुर्घटना के आरोपी पर पुलिस कमिश्नर का सख्त रुख

बोले- पीड़ितों को मिलेगा न्याय

नई दिल्ली। पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने शहर में कार दुर्घटना के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि आरोपियों पर पर सख्त से सख्त कार्रवाई के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। पीड़ितों को न्याय दिया जाएगा। रविवार सुबह पुणे के कल्याणी नगर के पास एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दा युवाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के पिता अश्विनी कोष्टा चाहते हैं कि इस प्रकार की अन्य घटनाएं न हों, इसलिए वे कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनके पिता ने कहा कि कानून को आरोपियों के खिलाफ संविधान और मौजूदा कानूनों के मुताबिक कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि अन्य लोगों को सबक मिले।

दुर्घटना के बाद पुणे के पुलिस आयुक्त ने अपना रवैया सख्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि शुरूआत से ही आईपीसी की धारा 304 के तहत मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। साथ ही मामला कोर्ट में पेश करवाया जाएगा। इसके अलावा मुकदमा चलाने और किशोर न्याय अधिनियम के तहत आरोपी के पिता और पब मालिकों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगा।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि पहले दिन चाहे आईपीसी की 304 के तहत मुकदमा दर्ज कराना, कोर्ट में पेश करना, पिता और पब मालिक पर कार्रवाई करना इनमें पुलिस की अभिन्न भूमिका रही। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कानूनी पैनल आकर हमारी कार्रवाई को चैलेंज कर सकता है।

उन्होंने कहा कि मुझे किसी भी प्रकार के आरोपों का जवाब देना सही नहीं लगता। उन्होंने कहा कि पुलिस ने कानूनी कार्रवाई उचित तरीके से की है। किसी के पास कोई सवाल-जवाब हो तो मुझसे बात करें, मैं बात करने को तैयार हूं। उन्होंने कहा कि हमने सख्त रवैया अपनाया है, हमारी कोशिश यही है कि उन दो लोगों को न्याय मिले, आरोपियों को सजा मिले।

वहीं अश्विनी कोष्टा के भाई ने कहा कि परिवार सिर्फ पूरे मामले की जांच चाहता है। उसने कहा कि हम दो भाई और एक बहन है। घटना के दिन भी उसने आखिरी बार पिताजी से बात की थी। वह पार्टी में जा रहा था। उसके दोस्तों से पता चला कि वह पार्टी में पहुंचा नही और न ही फोन उठा रहा। तब हमने उसको कॉल किया। लेकिन उसका कॉल नही उठा। बाद में हमें पता चला कि उसे किसी कार ने पीछे से टक्कर मार दी है।

हम बस यही चाहते है कि आरोपियों को बख्शा न जाए, उनपर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसी बीच पुलिस ने बार मालिक और बार मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने हादसे की रात आरोपी जो कि नाबालिग है उसको शराब दी थी। दिन में नाबालिग आरोपी के पिता को हिरासत में लिया गया था। पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुणे रैश ड्राइविंग के मामले में नाबालिग आरोपी पर मुकदमा चलाने के लिए अनुमति पुलिस मांग रही है।

देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में छात्र निलंबित

हाईकोर्ट का जल्द सुनवाई से इनकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के पीएचडी छात्र की याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज ने पीएचडी छात्र रामदास केएस को गलत आचरण और देश विरोधी गतिविधि में शामिल होने के आरोप में दो साल के लिए निलंबित कर दिया है।जिसके खिलाफ छात्र ने हाईकोर्ट का रुख किया था।

हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई टाली

छात्र की याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट की जस्टिस आरिफ डॉक्टर और जस्टिस सोमशेखर सुंदरेसन की अवकाश पीठ ने जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि यह मामला इंतजार कर सकता है और इसमें कोई आपात स्थिति नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने याचिका को गर्मियों की छुट्टियों के बाद 18 जून को सुनवाई के लिए लिस्टेड कर दिया। छात्र के वकील मिहिर देसाई ने कोर्ट को बताया कि पीड़ित छात्र की छात्रवृत्ति भी रोक दी गई है और उसे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं अपने हलफनामे में संस्थान ने कहा कि छात्र के पास अभी वैकल्पिक रास्ता है और उसकी याचिका पर सुनवाई नहीं होनी चाहिए। हलफनामे के अनुसार, छात्र के गलत आचरण को देखते हुए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था, जिसने जांच की। समिति की जांच के बाद छात्र को दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया। हालांकि जांच समिति की रिपोर्ट के बाद छात्र के पास कुलपति के पास भी अपील का विकल्प है, लेकिन छात्र ने सीधे हाईकोर्ट में अपील की। हलफनामा पढ़ने के बाद अदालत ने मामले की सुनवाई टाल दी।

संस्थान ने छात्र पर लगाए आरोप

हलफनामे में संस्थान ने ये भी कहा कि छात्र को निलंबित करने के बाद उनके पास राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोगों और संगठनों का फोन आ रहा है और साथ ही संस्थान के खिलाफ सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाया जा रहा है। संस्थान ने कहा कि इससे साफ है कि छात्र अपने राजनीतिक पहुंच के चलते संस्थान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। संस्थान ने ये भी कहा कि दाखिले के समय ही छात्रों को नियमों की जानकारी दे दी जाती है, इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन किया गया।

संस्थान ने आरोप लगाया है कि रामदास केएस ने जनवरी में नई दिल्ली में सरकार विरोधी एक मार्च में हिस्सा लिया। साथ ही राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय लोगों को राम के नाम नामक एक डॉक्यूमेंट्री देखने की अपील की। वहीं छात्र रामदास केएस ने संस्थान के दावों को खारिज कर दिया। छात्र ने कहा कि उसका निलंबन अवैध है और इसी वजह से छात्र उसके समर्थन में आ रहे हैं।

कन्हैया कुमार पर स्याही फेंकने के मामले में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर स्याही फेंकने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पता चला कि उत्तर पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार न्यू उस्मानपुर के 4 पुश्ता पर स्वामी सत्यनारायण भवन में आप कार्यालय में बैठक कर रहे थे। आप पार्षद छाया शर्मा बैठक की मेजबानी कर रही थीं। बैठक के बाद जब छाया शर्मा कन्हैया कुमार को विदा करने नीचे आई तो कुछ लोग आए और कन्हैया कुमार को माला पहना दी। माला पहनाने के बाद कुछ लोगों ने उन पर स्याही फेंकी और उन पर हमला करने की कोशिश की। जब छाया शर्मा ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उन्होंने उनके साथ बदसलूकी की और उन्हें धमकाया। डीसीपी उत्तर पूर्वी ने बताया कि छाया शर्मा की शिकायत पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आगे की जांच जारी है। डीसीपी उत्तर पूर्वी जॉय तिर्की ने कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर स्याही फेंकने के आरोप में अजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। 17 मई को कन्हैया आप कार्यालय में एक बैठक में थे। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ममता पर विवादित टिप्पणी मामले में बीजेपी नेता अभिजीत गंगोपाध्याय पर कार्रवाई

24 घंटों के लिए प्रचार पर रोक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में चुनाव आयोग ने भाजपा उम्मीदवार जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय की कड़ी निंदा की। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार पर 21 मई को शाम के पांच बजे से लेकर अगले 24 घंटे तक चुनाव प्रचार पर रोक लगाई है। आयोग ने भाजपा नेता को आदर्श आचार संहिता के तहत अपने सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की भी चेतावनी दी है।

दरअसल, हल्दिया में 15 मई को एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते समय भाजपा उम्मीदवार गंगोपाध्याय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की थी।

टीएमसी ने चुनाव आयोग को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। चुनाव आयोग ने गंगोपाध्याय को कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसका 20 मई शाम पांच बजे तक जवाब मांगा था।

मौजूदा लोकसभा चुनाव में गंगोपाध्याय चौथे राजनेता हैं जिन्हें महिलाओं के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी के लिए नोटिस भेजा गया है। वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने भी क्रमशः ममता बनर्जी और कंगना रणौत के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की थी, जिसके बाद चुनाव आयोग ने दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा था और दोनों की टिप्पणियों की निंदा की थी।

मंच पर ही रोने लगे सांसद संगमलालः बोले-

क्या केवल क्षत्रिय ही बन सकते हैं सांसद, तेली हूं इसलिए हो रहा विरोध

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और निवर्तमान सांसद संगमलाल गुप्ता मंच से भाषण देते समय अचानक रोने लगे। उनका दर्द छलक उठा। उन्होने कहा कि क्या तेली होने के कारण उन्हें सांसद बनने का हक नहीं है। राजाओं के गढ़ में क्या सिर्फ क्षत्रिय ही सांसद बन सकते हैं। तेली होने के कारण उनका विरोध किया जा रहा है। प्रतापगढ़ से भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता ने केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के साथ सोमवार को पट्टी में सभा को संबोधित कर रहे थे। पटेल समुदाय का साथ देने और उनके साथ हर समय खड़ा रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक इस सीट पर विपक्षी दलों का कब्जा रहा। उनसे अगर 18 गांवों के नाम पूछ लें तो बता नहीं पाएंगे। मंच से सांसद का दर्द भी छलक गया। उनकी आंखों से आंसू निकल आए। संगमलाल ने रोते हुए कहा कि मैं तेली समाज से आता हूं, इसलिए चुनाव में मेरा विरोध हो रहा है। क्या कोई तेली सांसद नहीं बन सकता है। राजाओं के गढ़ में सिर्फ क्षत्रिय ही सांसद बन सकता है।

राजाभैया का रुख बदलने से सकते में है भाजपा

लोकसभा चुनाव में बाहुबली विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया का का रुख बदल जाने के कारण भाजपा सकते में है। वर्तमान सांसद संगमलाल गुप्ता को जनता के विरोध का भय सता रहा है। राजाभैया के समर्थक संगमलाल गुप्ता के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी बीच भाजपा सांसद का रोते हुए क्षत्रिय समाज के खिलाफ दिया गया भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उनके बयान को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं।

क्या अब गिरफ्तारी की वैधता की जांच कर सकती है अदालत?

सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेन से किया सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से पूछा कि ईडी द्वारा दायर अभियोजन शिकायत पर ट्रायल कोर्ट के संज्ञान लेने के बाद क्या अदालत अब गिरफ्तारी की वैधता की जांच कर सकती है? कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट से पहले ही जमानत याचिका खारिज हो चुकी है और कोर्ट ने माना कि हेमंत सोरेन आरोपी हैं। गौरतलब है कि ईडी ने कथित जमीन घोटाले में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मामला दर्ज किया है।

पीठ ने सुनवाई बुधवार तक टाली

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई की और सोरेने के वकील से कहा कि क्या अब गिरफ्तारी की वैधता की जांच हो सकती है?

पहले वह अदालत को संतुष्ट करें कि जब उनकी सामान्य जमानत की याचिका खारिज हो गई है तो क्या उन्हें लोकसभा चुनाव में अंतरिम जमानत दी जा सकती है?

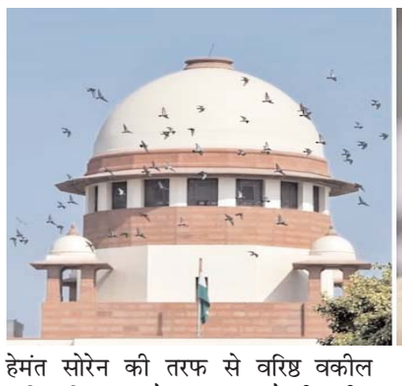

हेमंत सोरेन की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अरुणाभ चौधरी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। दोनों ने कोर्ट से जवाब देने के लिए बुधवार तक का समय मांगा है। जिसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई बुधवार तक टाल दी है।

ईडी ने किया जमानत का विरोध

वहीं ईडी की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू कोर्ट में पेश हुए। ईडी ने सोरेन की अंतरिम जमानत का विरोध किया है। ईडी का कहना है कि हेमंत सोरेन का मामला दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के मामले से अलग है। केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने बीती 10 मई को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दे दी थी। हेमंत सोरेन की जमानत याचिका झारखंड हाईकोर्ट से 13 मई को खारिज हो चुकी है। अब सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की तरह उन्हें भी लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए जमानत देने की मांग की है।

राजभवन के तीन अधिकारियों को अग्रिम जमानत

कोलकाता। कोलकाता में राजभवन के तीन अधिकारी मुख्य मेट्रोपॉलिटन (सीएमएम) अदालत के समक्ष पेश हुए। तीनों अधिकारी खुद पर दर्ज एफआईआर के संबंध में अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में पेश हुए। दरअसल राजभवन की एक महिला कर्मचारी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर कथित तौर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया था। इस मामले में तीनों अधिकारियों पर महिला को गलत तरीके से रोकने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। अदालत ने तीनों को अग्रिम जमानत देते हुए कहा है कि प्रत्येक अधिकारी को 500 रुपये का मुचलका भरना होगा।

तीनों के खिलाफ दर्ज की गई थी एफआईआर

इससे पहले राजभवन में संविदा पर कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने कथित छेड़छाड़ मामले में न्यायाधीश के सामने अपना बयान दर्ज कराया था। इसके बाद हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में तीन अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। तीनों पर धारा 341 और धारा 166 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस का कहना है कि महिला को गलत तरीके से रोकने के आरोप में 2 मई को तीनों अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता महिला में 2 मई को ही राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। इसके बाद कोलकाता पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी।

माकपा ने बम बनाते समय मारे गए दो कार्यकर्ताओं की याद में बनवाया स्मारक, अब भड़का विवाद

तिरुवनंतपुरम। केरल के कन्नूर में जून 2015 में बम बनाते समय जान गंवाने वाले माकपा के दो कार्यकर्ताओं की स्मृति में एक स्मारक बनाया गया है। पार्टी के राज्य सचिव एमवी गोविंदन 22 मई को इस स्मारक का उद्घाटन करने वाले हैं। स्मारक बनाए जाने को लेकर लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस लगातार माकपा पर हमला कर रही है। वहीं, माकपा के वरिष्ठ नेता इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं, जबकि पार्टी के नेता पी जयराजन ने इस स्मारक को बनाए जाने के कदम को सही ठहराया है।

पार्टी कार्यकर्ताओं को बम राजनेता बताने पर भड़के

जयराजन ने अपनी फेसबुक पर एक पोस्ट में पार्टी कार्यकर्ताओं को बम राजनेता बताने के लिए मीडिया की आलोचना की। उन्होंने कहा कि दक्षिणपंथी मीडिया ने 2015 में अपने जीवन का बलिदान देने वालों को बम राजनेता करार दिया है। उन्होंने विस्फोट में मारे गए पार्टी कार्यकर्ता शैजू और सुबीश की तस्वीरें भी साझा की थीं।

वहीं, जयराजन ने मीडिया पर आरएसएस द्वारा उनके कार्यकर्ताओं अश्विनी और सुरेंद्रन की मौत के सिलसिले में बनाए गए स्मारक पर लीपापोती करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पोयिलूर में अश्विनी-सुरेंद्रन मंदिर नाम का एक स्मारक है। इसका निर्माण आरएसएस ने अपने कार्यकर्ताओं के सम्मान में किया था, जो 2002 में बम बनाते समय मारे गए थे। इसके अलावा, आरएसएस ने चेरुवनचेरी में बम बनाते समय मारे गए प्रदीपन और दिलीप के लिए एक स्मारक का निर्माण किया।

बम की राजनीति शुरू करने वाली कांग्रेस और केपीसीसी

उन्होंने याद दिलाया कि कन्नूर में बम की राजनीति शुरू करने की जिम्मेदारी कांग्रेस और केपीसीसी अध्यक्ष के सुधाकरन की है। उन्होंने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कन्नूर में पहली बार

डीसीसी कार्यालय में बम फेंके थे। पूर्व डीसीसी सचिव ने खुलासा किया था कि उन्होंने अपने पार्टी कार्यालय में ही तीन तरह के बम बनाए थे। हालांकि जयराजन ने हाल ही में पनूर में हुए बम विस्फोट में शामिल लोगों से अपनी पार्टी को अलग कर लिया। उन्होंने कहा, यह तय है कि पनूर के मुलियाथोडे में बम विस्फोट में मारे गए लोगों का नाम सीपीएम की शहीद सूची में शामिल नहीं होगा। लेकिन, चेट्टाकांडी में शहीदों की याद जारी रहेगी। जयराजन ने कहा, यह मौत दो समूहों के बीच जारी संघर्ष का नतीजा है और इसे शहादत नहीं माना जाएगा। मीडिया और विपक्ष इस मौत को सीपीएम के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। पार्टी ने सार्वजनिक रूप से इस घटना की निंदा की है और आश्वासन दिया है कि इसे सूची में शामिल नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस ने माकपा पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता और केरल विधानसभा के नेता वीडी सतीशन ने कहा, केरल में माकपा एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूह के रूप में काम कर रही है। वे तय करेंगे कि किसे मारना है और फिर एक जगह तय करेंगे और हथियारों की व्यवस्था भी करेंगे। वे या अपराधियों या पार्टी कार्यकर्ताओं को काम पर रखेंगे और वे अपराध करेंगे। अपराध करने के बाद पार्टी दोषियों को बचाएगी और किसी को जेल भेजा जाएगा और जेल में बंद व्यक्ति के परिवार की रक्षा करेंगे। यह एक आतंकवादी समूह की शैली है। वे अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को बम बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं और निर्देश दे रहे हैं। गौरतलब है, जून 2015 में बम बनाते समय जान गंवाने वाले सीपीआई (एम) के दो कार्यकर्ताओं की स्मृति में एक स्मारक बनाया गया है। स्मारक के उद्घाटन की घोषणा करने वाले पोस्टर सामने आने के बाद, कांग्रेस और भाजपा ने माकपा पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस घटना से साबित होता है कि बम बनाना माकपा की राजनीतिक गतिविधि का हिस्सा है।

प्रदेश के महाविद्यालयों में सात साल बाद फिर शुरू हो सकते हैं छात्रसंघ के चुनाव

भोपाल। प्रदेश के विश्वविद्यालयों व कालेजों के विद्यार्थियों में नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए इस साल विश्वविद्यालयों व कालेजों में छात्रसंघ चुनाव होने की संभावना है । इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 की गाइडलाइन तैयार करना शुरू कर दिया है। इस बार चुनाव की संभावना इसलिए है, क्योंकि वर्तमान मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए प्रस्ताव तैयार कराया था और मुख्यमंत्री को भेजा था। इस बार वे खुद मुख्यमंत्री हैं, इसलिए लोकसभा चुनाव के बाद छात्रसंघ के चुनाव होने की पूरी संभावनाएं दिख रही हैं। इस संबंध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर चुनाव कराने की मांग की है। उन्होंने प्रत्याक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की मांग की है, ताकि निष्पक्ष नेता को चुना जा सके। बता दें, कि 2017 के बाद प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं। आचार संहिता खत्म होने के बाद विश्वविद्यालयों व कालेजों में इसकी तैयारियां शुरू होंगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चुनाव के लिए 15 दिन का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।एबीवीवी के सदस्यों का कहना है कि 2017 में पिछली बार उच्च शिक्षा विभाग ने निजी और सरकारी महाविद्यालयों में अप्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराए गए थे ।इसको ना तो छात्र संगठन ने माना था और न ही तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव ने इसका समर्थन किया था।उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने को लेकर सरकार को पत्र भी लिखा था।प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली में कालेज का कोई भी विद्यार्थी छात्रसंघ का चुनाव लड़ सकता है।

प्रत्यक्ष प्रणाली से निष्पक्ष प्रतिनिधि चुन सकेंगे

विद्यार्थी परिषद ने बताया कि प्रत्यक्ष प्रणाली में विश्वविद्यालय महाविद्यालय प्रत्येक विद्यार्थी अपने मन से अध्यक्ष का चुनाव करता है। वहीं विद्यार्थी क्लास का प्रतिनिधि चुनता है और वह प्रतिनिधि अध्यक्ष का चुनव करता है।इसे अप्रत्यक्ष प्रणाली कहते हैं। इसमें छात्रसंघ चुनाव में मारपीट और उपद्रव अधिक होता है, इसलिए कई सालों से प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्रसंघ के चुनाव बंद पड़े हैं। इन्हीं सभी बातों को देखकर इस बार प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की योजना राज्य सरकार बना रही है।

छात्रसंघ चुनाव से सुधरेगी शिक्षण व्यवस्था

विद्यार्थी परिषद का मानना है कि छात्रसंघ चुनाव होने से माहौल सकारात्मक बनता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अध्यक्ष का फोकस होता है। विद्यार्थियों की समस्याओं को अध्यक्ष या प्रतिनिधि दूर सकते हैं।इससे युवाओं में नेतृत्व की क्षमता भी विकसित होती है।

इनका कहना है

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर छात्रसंघ चुनाव कराने की कई बार मांग कर चुके हैं। फिर से मांग की है कि लोकसभा चुनाव के बाद छात्रसंघ चुनाव कराया जाए। इससे महाविद्यालयों गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार होगा।

संदीप वैष्णव,महामंत्री,एबीवीपी मप्र

भोपाल सेंट्रल जेल के बाहर हुए मर्डर के 5 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने बदमाशों का निकाला जुलूस, 4 अब भी फरार

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सेंट्रल जेल के बाहर हुए मर्डर के फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। 72 घंटे के अंदर गांधी नगर पुलिस ने आरोपियों को दबोच लिया। वारदात में शामिल 9 आरोपियों में से 5 को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि 4 आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है। 17 मई को कुछ बदमाशों ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया था। इनमें से एक की मौत हो गई थी, जबकि उसका साथी घायल हो गया था।

आरोपियों का निकाला जुलूस

आरोपियों ने 17 मई की शाम को पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था। सभी आरोपी टीटी नगर क्षेत्र के पंचशील के रहने वाले हैं। वहीं पुलिस ने मामले में गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों का गांधीनगर और टीटी नगर क्षेत्र में जुलूस निकाला। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गांधीनगर थाना प्रभारी सुनील मेहर के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। वहीं क्राइम ब्रांच और गांधीनगर पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

क्या है पूरा मामला

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटना 17 मई की शाम करीब 7 बजे भोपाल सेंट्रल जेल के गेट पर सांची पार्लर के पास की है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि, सुरेंद्र कुशवाहा और विकास वर्मा पैरोल पर आए अपने किसी साथी को छोड़ने जेल पहुंचे थे। साथी को जेल दाखिल कराने के बाद जब दोनों वापस लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों ने दोनों पर चाकुओं से हमला कर दिया था।

एडिशनल डीसीपी जोन-4, मलकीत सिंह के मुताबिक, सतीश खरे को मर्डर केस में जेल हो चुकी है और वह एक महीने से पेरोल पर था। पेरोल खत्म होने पर शुक्रवार (17 मई) को विकास वर्मा, सुरेंद्र कुशवाहा निवासी टीटी नगर, दोस्त ईशु खरे के साथ बड़े भाई सतीश को जेल छोड़ने गया था। सतीश खरे को जेल छोड़ने के बाद तीनों जेल कैम्पस से बाहर निकले, तभी संदेश नरवारे, आकाश भदौरिया, छोटा चेतन उर्फ फैजल और दीपांशु सेन ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। सुरेंद्र की जांघ और विकास वर्मा के हाथ में चाकू लगा। दोनों घायलों ? को श्रद्धा अस्पताल ले ?जाया गया, जहां से सुरेंद्र की हालत गंभीर ?होने पर उसे एम्स ले जाया ? गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित ? कर दिया। हमले के दौरान सुरेंद्र दौड़ता हुआ सेंट्रल जेल के गेट नंबर 2 के सामने पहुंचा और बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ा।

यूनाइटेड नेशन की कान्फ्रेंस में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी भोपाल की तान्या

भोपाल। अगस्त माह में मलेशिया में एशियन यूथ इंटरनेशनल माडल यूनाइटेड नेशन कान्फ्रेंस का आयोजन किया जाना है। इसमें दुनियभार के विभिन्न देशों से 2400 युवाओं का चयन किया गया है, जो अपने-अपने देश के विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे।

इस कान्फ्रेंस के लिए भारत से चार युवाओं को चयनित किया गया है। इनमें भोपाल की तान्या पुरोहित का नाम भी शामिल है। 2 से 5 अगस्त तक मलेशिया की राजधानी कुआललंपुर में आयोजित इस कान्फ्रेंस में तान्या विषय- फेसिंग अनसरटेनिटि= एक्सेस टू जाब एंड फाइनेंशियल सर्विसेज पर भारत की ओर से चर्चा करेंगी। तान्या इसी वर्ष भारत की यूथ पार्लियामेंटेरियन भी रह चुकी हैं और वे अब यूनाइटेड नेशन की कान्फ्रेंस की तैयारी कर रही हैं।

जिला प्रशासन द्वारा अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल। कलेक्टर भोपाल श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एस.डी.एम. गोविन्दपुरा एवं तहसीलदार गोविन्दपुरा द्वारा मंगलवार को ग्राम हताईखेड़ा स्थित खसरा नंबर-123/1/1/1 रकबा 1.74 हैक्टेयर के अंश भाग लगभग 2.5 एकड़ निजी भूमि पर रविन्द्र शुक्ला, जयशिव एसोसिऐटस द्वारा लगभग 100 से अधिक प्लॉट्स काटकर खूँटी लगाकर अवैध प्लाटिंग एवं एक कमरा बनाया गया था जिसे मोके पर नगर निगम राजस्व दल एवं पुलिस बल की उपस्थिति में कार्यवाही की जाकर अवैध कॉलोनी के रूप में किए हुए निर्माण को हटाया गया।

मंदिर से दान पेटी चुरा ले गई महिला सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

भोपाल। राजधानी भोपाल में चोरी की वारदात लगातार बढ़ती जा रहे हैं। जहां अभी तक घरों और संस्थानों में चोरी की घटनाएं सामने आ रही थी, वहीं अब एक मंदिर में चोरी का मामला सामने आया है। शाहपुरा के गुलमोहर में दूरसंचार कॉलोनी के मंदिर में एक महिला दानपेटी चुरा ले गई। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला ने पूरी वारदात रेकी करने के बाद की थी। वह दानपेटी चुराने के लिए दो बच्चों के साथ एक बड़ा कपड़ा लेकर पहुंची थी। महिला दानपेटी को लेकर गई थी, बाद में उसने दानपेटी पर लगा ताला तोड़कर करीब 15 हजार रुपये की राशि निकलकर दानपेटी एक कबाड़ी को बेच दी थी। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी। सीसीटीवी से मिले सुराग के जरिए महिला की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। घटना 14 मई की दोपहर डेढ़ बजे की है। कॉलोनी वासियों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने छह दिन जांच के बाद 20 मई को प्रकरण दर्ज किया। इसके बाद महिला की तलाश शुरू की गई।

कबाड़ी को बेच दी थी दान पेटी

पुलिस महिला को गिरफ्त में लेकर लगातार पूछताछ कर रही है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शाहपुरा इलाके की दूरसंचार कालोनी में हनुमान मंदिर है। इस मंदिर में एक महिला दो बच्चों के साथ पहुंची और दानपेटी समेत अन्य सामान चुरा लिया। सीसीटीवी में नजर आ रहा है कि साढ़े तीन मिनट में महिला ने पूरी वारदात को अंजाम दे दिया। मंदिर में छोटी दान पेटी भी रखी थी, जिसे महिला बड़े झोले में रखकर ले गई। एक बच्चे ने झोला सिर में रखा और मंदिर से बाहर निकल गया। महिला भी मुंह पर कपड़ा बांधकर बाहर चली गई। इस मामले में पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसमें उसने दानपेटी को कबाड़ी को बेचना बताया। इसके बाद पुलिस ने दानपेटी और नगद राशि जब्त की। महिला हबीबगंज क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। इस घटना में कालोनी के गेट का चौकीदार भी एक घंटे के लिए गायब मिला था।

एब्सोल्यूट डेटिंग से पता चलेगा कितने पुराने हैं भीमबेटका के शैलाश्रय

भोपाल। भीमबेटका के शैल आश्रयों का निर्माण आज से करीब 54 करोड़ साल पहले हुआ था, जब मानव इस धरती पर प्रकट नहीं हुए थे। लगभग 40 लाख वर्ष पहले प्रागैतिहासिक मानव ने इन आश्रय स्थलों की खोज की और इन्हें अपना घर बनाया। मानव ने अपनी उत्पत्ति के लाखों वर्ष बाद शैलआश्रयों में पदार्पण किया था और यहां आने के कई वर्षों के बाद शैलचित्रों का निर्माण किया।

पूर्व में किए गए अध्ययनों में यह तथ्य सामने आ चुके हैं, लेकिन इन तथ्यों को और पुख्ता व प्रमाणिक बनाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) शैल आश्रयों की एब्सोल्यूट डेटिंग करा रहा है। इसी साल जनवरी से शुरू हुई परियोजना को सितंबर 2024 तक में पूरा करना है। यह परियोजना भूवैज्ञानिक और पुरातात्विक दोनों दृष्टिकोणों से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की उम्र तय करने की पहल है।इसके साथ ही यह शोध धरती पर मानव की उत्पत्ति के रहस्य को भी उजागर करेगा।

एएसआइ के भोपाल सर्कल के अधीक्षण पुरातत्वविद् मनोज कुमार कुर्मी ने बताया कि रायसेन जिले में स्थित

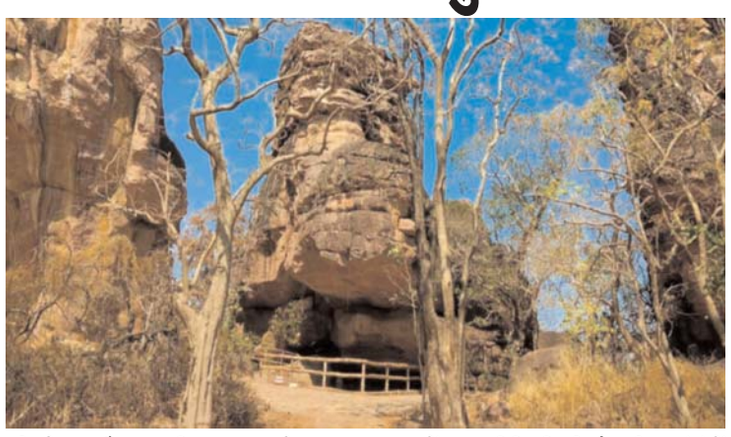

भीमबेटका शैलाश्रय विश्व का सबसे पुराना पुरातात्विक स्थल है। 1957 में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त के पुरातत्वविद् विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा खोजे जाने तक ये शैलाश्रय धने जंगलों में खोए हुए थे। 2003 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया।कुर्मी ने बताया कि अध्ययन में कलाकृतियों और पर्यावरणीय तथ्यों की मदद से जगह के पर्यावरण का पुनर्निर्माण, आश्रयों के भूवैज्ञानिक गठन, मानव विकास पर उनके प्रभाव और कलाकृतियों व चित्रों पर आगामी प्रभाव के साथ-साथ मनुष्यों व पारिस्थितिकी के बीच संबंधों को समझने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि भीमबेटका आश्रय स्थलों की डेटिंग पहले भी की गई थी,लेकिन अंतर यह है कि जहां पहले रिलेटिव डेटिंग की गई थी, अब हम एब्सोल्यूट डेटिंग कर रहे हैं। इसके माध्यम से पता चलेगा कि अन्य वस्तुओं तुलना में शैलाश्रय कितने पुराने हैं।

कई चरणों में पूरी होगी प्रक्रिया

मनोज कुमार कुर्मी ने बताया कि डेटिंग एक बारीक और समय लेने वाली प्रक्रिया है, जो कई चरणों में पूरी होती है। इसमें माइक्रो कंटूरिंग, लेआउटिंग, प्लाटिंग, खोदाई, फोटोग्राफी और स्क्रिप्टिंग शामिल है।यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद नमूनों को प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। पहले चरण में मिट्टी के कुछ नमूनों को प्रयोगशालाओं में भेजा भी जा चुका है। इसके बाद पोलेन (पराग) टेस्ट होगा। खोदाई आम रास्ते से पांच सौ मीटर दूर एक स्थान पर की जा रही है।प्रक्रिया पूरी होने में अभी कुछ समय लगेगा।परियोजना के तहत काम का शुभारंभ 18 जनवरी को एएसआइ के क्षेत्रीय निदेशक भुवन विक्रम ने किया था।सितंबर तक काम पूरा करने का लक्ष्य है, लेकिन ज्यादा समय भी लग सकता है।

रिलेटिव और एब्सोल्यूट डेटिंग में अंतर

रिलेटिव डेटिंग निजी व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा की जाती है,जो शैलचित्रों के आधार पर होती है। इसमें किसी दूसरे स्थल की समानता के आधार पर भी अंदाजा लगाया जाता है, जबकि एब्सोल्यूट डेटिंग में उस स्थल विशेष पर मौजूद प्रकृति के अवयवों का परीक्षण किया जाता है।

बिल्डर ने मानक स्तर पर मकान निर्माण कर नहीं दिया देना होगा 25 हजार जुर्माना

भोपाल। एक उपभोक्ता को खुद के प्लाट पर एक बिल्डर से डुप्लेक्स निर्माण करने के लिए 2012 में 14 लाख रुपये में अनुबंध किया। इसके लिए उपभोक्ता ने साढ़े 10 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया। डुप्लेक्स का निर्माण नगर निगम भोपाल द्वारा अनुमोदित डुप्लेक्स योजना के अनुसार किया जाना था, लेकिन बिल्डर ने निर्धारित समय पर डुप्लेक्स का निर्माण नगर निगम द्वारा स्वीकृत नक्शे के अनुसार नहीं किया गया और निर्माण मानक स्तर का न होकर घटिया क्लाविटी का किया गया।

मामले की शिकायत जिला उपभोक्ता आयोग में की गई। आयोग की अध्यक्ष गिरीबाला सिंह व सदस्य अरूण प्रताप सिंह की बेंच ने मामले में उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय सुनाया। बिल्डर पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। दरअसल तुलसी नगर निवासी जितेंद्र शर्मा ने जिला उपभोक्ता आयोग में कोलार रोड स्थित देव बिल्डर्स के खिलाफ याचिक लगाई थी। शिकायत की थी कि उपभोक्ता ने 2012 में 14 लाख रुपये में डुप्लेक्स निर्माण के लिए बुकिंग कराई थी,लेकिन बिल्डर ने तय समय सीमा में डुप्लेक्स का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया ।

आयोग ने कहा कि बिल्डर ने यहां तक कि डुप्लेक्स का निर्माण नगर निगम द्वारा स्वीकृत किए गए नक्शे के अनुसार नहीं किए गए। साथ ही मानक स्तर का ना होकर घटिया क्वालिटी का किया गया। इससे उपभोक्ता परेशान हुआ। बिल्डर ने सेवा में कमी की है, इसलिए जुर्माना देना होगा।

शिविर में अगले 15 दिनों तक होगी ओरल कैंसर की नि:शुल्क जांच

जयप्रकाश चिकित्सालय में चल रहे ओरल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर में अब तक 1800 से अधिक लोगों की हुई जांच

भोपाल। ओरल कैंसर स्क्रीनिंग के लिए आयोजित किए जा रहे विशेष शिविर में ऑटोफ्लोरेंस आधारित उपकरण द्वारा 1832 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जिनमें से 361 लोगों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस विशेष शिविर की अवधि 15 दिनों के लिए बढ़ाई गई है।

जिला अस्पताल के ब्लॉक ए में एनसीडी कक्ष में यह जांच निशुल्क की जा रही है। ओरल स्कैन जांच के माध्यम से ओरल कैंसर को शुरुआती अवस्था में ही डायग्नोसिस किया जा सकता है, जिससे देरी से डायग्नोस होने के कारण होने वाली विरूपता एवं अन्य परेशानियों से बचा जा सकता है। स्क्रीनिंग दंत रोग विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन की जा रही है। तंबाखू उत्पादों जैसे गुटखा, खैनी, जर्दा , बीड़ी,

सिगरेट का उपयोग करने वालों में ओरल कैंसर होने की आशंका अन्य लोगों से बहुत अधिक होती है। इसलिए इन लक्षणों वाले लोगों को आवश्यक रूप से स्क्रीनिंग करवाते रहना चाहिए ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि शिविर में जिन लोगों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं उनका फॉलोअप किया जा रहा है। असंचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कैंसर स्क्रीनिंग एवं उपचार की सुविधा निःशुल्क है। मुंह में सफेद अथवा लाल चकत्ता या घाव होना, मुंह की किसी जगह की त्वचा का कड़ा होना, चबाने, निगलने या बोलने में कठिनाई होना, मुंह खोलने में कठिनाई होना, आवाज में परिवर्तन होना आदि ओरल कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। ओरल कैंसर मुंह के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है। जिनमें मसूड़े, जीभ, गालों के अंदर या होंठ शामिल हैं। तंबाखू से कई तरह के कैंसर का खतरा होता है। तंबाकू में मौजूद निकोटीन शरीर में जहर की तरह कार्य करता है। अत: यह लोगों के हित में है कि वे स्वयं तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन से दूर रहें तथा बच्चों एवं किशोरों को इसकी तरफ़ जाने से रोकें। किसी भी तरह की शंका होने या लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय जाँच अवश्य करायें।

एम्स में इन हाउस लॉन्ड्री प्लांट का उद्घाटन

भोपाल। एम्स भोपाल में आज इन हाउस लॉन्ड्री प्लांट का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने कहा कि इन हाउस लॉन्ड्री प्लांट के शुरू होने से मरीज को बेहतर और स्वच्छ बेडशीट,कंबल, तकिया इत्यादि मिल सकेंगे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शुरुआत से ही अस्पताल में लॉन्ड्री के लिए जगह उपलब्ध थी। लेकिन प्लांट शुरू नहीं हो पाया था जिसके कारण अस्पताल के चद्दर, कंबल, ताकिया इत्यादि धोने के लिए बाहर ले जाया जाता था जिसमें संभावित जोखिम बना रहता था। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक था कि एम्स भोपाल अपने ही परिसर में लॉन्ड्री प्लांट की शुरुआत करे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का जितना महत्व हमारे जीवन में है उतना ही अधिक महत्व रोगी के जल्दी ठीक होने में भी है। इस लॉन्ड्री प्लांट में छह वाशिंग मशीन, दो हाइड्रो एक्सट्रैक्टर यानी कपड़े से पानी निकालने की मशीन, चार ड्रायर और इसके अलावा दो कैलेंडर जिसके द्वारा बेडशीट इत्यादि को आयरन किया जा सकता है।

बीकाम की परीक्षा दे रहा मुन्नाभाई गिरफ्तार, जहांगीराबाद में एफआइआर दर्ज

भोपाल। जहांगीराबाद के शासकीय कलां एवं वाणिज्य महाविद्यालय में सोमवार को बीकाम की परीक्षा देते समय एक फर्जी परीक्षार्थी को पकड़ा गया, वह दूसरे छात्र के स्थान पर परीक्षा दे रहा था, पूछताछ में उसने पहले भी दो प्रश्न पत्र देने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने कालेज प्राचार्य की शिकायत पर धोखाधड़ी की धारा समेत अन्य धाराओं में एफआइआर दर्ज कर एक की गिरफ्तारी कर ली है। दूसरे की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक शासकीय कलां एवं वाणिज्य महाविद्यालय में इन दिनों छात्रों की वर्षिक परीक्षाएं संचालित हो रही है। सोमवार को बीकाम के प्रथम वर्ष की परीक्षा थी, तभी विश्वविद्यालय का फ्लाइंग स्काट कालेज पहुंचा और छात्रों की चेकिंग की । इस दौरान इस टीम को एक छात्र पर संदेह हुआ, जो सिर झुकाकर परीक्षा दे रहा था। टीम उस छात्र को उठाया और चेकिंग की तो वह कुछ देर में ही टूट गया और उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त के स्थान पर परीक्षा देने आया था। टीम ने जब उस छात्र का फोटो मिलाया तो वह फर्जी निकला। प्राचार्य प्रदीप कुमार शर्मा ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने प्राचार्य की शिकायत पर फर्जी परीक्षार्थी और असली परीक्षार्थी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। छात्र की फोटो एडमिट कार्ड से मेल नहीं खाई तो उसे तुरंत पूछताछ के लिए बुलाया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि वह छात्र हेमंत वर्मा की जगह पेपर देने आया था। उसने अपना नाम दिशांत वर्मा बताया। दिशांत ने बताया कि वो और हेमंत काफी अच्छे दोस्त हैं। आज हेमंत का पेपर था, लेकिन वह भोपाल में नहीं था। उसने अपना रोल नंबर और हाल टिकट मुझे दिया और में उसकी जगह पेपर देने यहां पहुंच गया।पुलिस ने दिशांत वर्मा के खिलाफ धारा 419,420 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

संपादकीय

खाक होती संपदा

अभी उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग के किस्से खत्म नहीं हुए थे कि हिमाचल के जंगलों में लगी आग से हजारों हेक्टेयर वन संपदा के खाक होने के समाचार आने लगे हैं। ऐसे वक्त में जब देश के विभिन्न इलाकों में रिकॉर्ड तापमान वृद्धि से लोग हलकान हैं, सुलगते जंगल हमारे संकट को बढ़ाने वाले ही हैं। दावानल में सिर्फ जंगल में पेड़ ही नहीं जलते, तमाम तरह की जैविक विविधता, जंगली जानवर, कीट-पतंगे व पक्षी भी राख होते हैं। यह हमारे पर्यावरण के लिये बेहद घातक स्थिति है। जो निस्संदेह हमारे पारिस्थितिकीय संतुलन पर घातक प्रभाव भी डालती है। हिमाचल के कई इलाकों में लगी आग को लेकर कहा जा रहा है कि अग्निशमन दल के न पहुंच पाने और संसाधनों के अभाव में वनकर्मी झाड़ियों का झाड़ू बनाकर ग्रामीणों के सहयोग से आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। यह विडंबना है कि विदेशों में जंगल की आग बुझाने के लिये हवाई जहाजों , हेलीकॉप्टरों तथा ड्रोन के जरिये रासायनिक पदार्थ व पानी का छिड़काव किया जाता है। वहीं भारत में ऐसे प्रयास न के बराबर नजर आते हैं। उत्तराखंड में लगी आग के बाद आईआईटी रुड़की की मदद से कृत्रिम बारिश कराने के प्रयासों की चर्चा भी हो रही थी। विडंबना यही है हमारा तंत्र आग लगने के बाद कुंआ खोदने की मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाया है। ज्यादातर मामलों में अप्रैल व मई में आग लगने की घटनाओं के मूल में उच्च तापमान वजह बतायी जाती है। लेकिन हर आग लगने की घटना में मानवीय हस्तक्षेप ही होता है। जिसमें इंसान के संकीर्ण स्वार्थ भी निहित होते हैं, तो आपराधिक लापरवाही भी। कभी कहा जाता था कि लकड़ी के ठेकेदार कुछ वनकर्मियों की मिलीभगत से इस तरह की स्थितियां पैदा करते हैं ताकि लकड़ी चोरी की वास्तविकता पर पर्दा डाला जा सके। बहरहाल, हर वर्ष के अग्निकांडों में हजारों हेक्टेयर वन संपदा का यूं तबाह होना एक मानवीय संकट का ही पर्याय है। यह एक हकीकत है कि जंगलों में लगने वाली आग को बुझाने के लिये पर्याप्त संसाधन वन व अग्निशमन विभाग के पास नहीं होते। इनका बजट सीमित होने के कारण भी आग बुझाने के आधुनिक साधन नहीं जुटाए जा सकते। वनों की जटिल भौगोलिक स्थिति के कारण भी हर अग्नि प्रभावित क्षेत्र तक पहुंच पाना मुश्किल होता है। वैसे एक हकीकत यह है कि आग बुझाने के प्रयासों से ज्यादा जरूरी है कि हम उन स्थितियों पर पहले से निगरानी रखें जो आग लगने का कारण बनती हैं। जंगलों में पतझड़ के बाद जमा पत्तियों को अलग करने का प्रयास करना चाहिए, जिससे आग के लिये सहज ईंधन न मिल सके। अकसर देखने में आता है कि कुछ वृक्षों के ज्वलनशील अवयव हर साल आग में घी का काम करते हैं। जिनको हटाने के लिये ग्रामीणों की मदद ली जानी चाहिए। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सख्त वन कानूनों के चलते स्थानीय लोगों को वन संपदा में भागीदारी से वंचित करने के बाद ग्रामीणों का वन संपदा संरक्षण के प्रयासों से मोह भंग हुआ है।

विशाल होर्डिंग्स : प्रचार बनाम पैगाम मौत के

अली खान

देशभर में अवैध होर्डिंग की समस्या ने लोगों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। दरअसल, मुंबई में गत 13 मई को तेज आंधी आई। जिससे घाटकोपर में 100 फुट ऊंचा और 250 टन वजनी लोहे का होर्डिंग एक पेट्रोल पंप पर जा गिरा। इस दौरान कुछ कारें, टू-व्हीलर्स और पैदल यात्री इसकी चपेट में आ गए। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 74 लोग घायल हो गए। जांच में सामने आया कि ये होर्डिंग अवैध था और 15 हजार वर्ग फुट से ज्यादा क्षेत्रफल में लगा था। इस होर्डिंग का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हो चुका था। उल्लेखनीय है कि होर्डिंग लगाने के लिए उस एजेंसी की अनुमति जरूरी होती है जिसकी भूमि पर होर्डिंग लगाना है। मुंबई में कई तरह की जमीनें हैं, जैसे कलेक्टर लैंड, सॉल्ट पैन लैंड, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट लैंड व बीएमसी लैंड आदि। इसलिए अगर कोई किसी जमीन पर होर्डिंग लगा रहा है तो उसे संबंधित लैंड अथॉरिटी से अनुमति लेनी पड़ती है। साथ ही बीएमसी की इजाजत भी जरूरी है।

सवाल है कि इतने? बड़े आकार के होर्डिंग लगाने की अनुमति क्यों दी गई? अब जब इतना बड़ा हादसा हो गया है तो किन-किन पर कार्रवाई की जाएगी? भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो यह सुनिश्चित करने को क्या-क्या प्रयास किए जाएंगे? ऐसे प्रश्न आम आदमी के दिमाग में कौंधने स्वाभाविक हैं। देश के कमोबेश सभी शहर अवैध होर्डिंग की समस्या का सामना कर रहे हैं।? शहरों की शायद ही ऐसी कोई लोकेशन हो जो होर्डिंग व बैनर से अछूती हो। ये होर्डिंग, जहां ऐतिहासिक धरोहरों व इमारतों के सौंदर्य को ढक रहे हैं, वहीं लोगों की जान पर भी आफत बन रहे हैं। देश के सभी शहरों की सड़कें अवैध होर्डिंग से पटी हुई हैं। कई नगरों में ऐसे होर्डिंग हटाने की कवायद की गई, लेकिन समस्या जस की तस है।

अवैध होर्डिंग की समस्या सड़क हादसों की वजह बन रही है। सड़कों पर लगे होर्डिंग के चलते वाहन चालकों को साइड देखने में दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। लापरवाही से कई बार फुटपाथ पर होर्डिंग को रख दिया जाता है जिसके चलते पैदल चलने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में लोग सड़कों पर चलने के लिए मजबूर हो जाते हैं, इस कारण भी कई बार हादसा हो जाता है। देश के उस बहुचर्चित हादसे को कैसे भुला सकते हैं जिसमें अवैध होर्डिंग ने एक युवती की जान ले ली थी। दरअसल, चेन्नई में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करने वाली सुबाश्री अपने ऑफिस से घर की ओर जा रही थी, उसी दौरान रास्ते में एक राजनीतिक दल का अवैध रूप से लगा होर्डिंग युवती के ऊपर गिर गया था। होर्डिंग के गिरते ही पीछे की ओर तेजी से आ रहे एक टैंकर ने युवती को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी। यह महज एक चर्चित हादसा है, इसके अलावा भी देश में हर रोज ऐसे हादसे सुर्खियां बटोरते हैं।

ऐसे में प्रश्न खड़ा हो जाता है कि आखिर अवैध होर्डिंग के मकड़जाल से मुक्ति कैसे मिले? सच्चाई यह है कि अगर सरकारी महकमा ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाए, तो इस विकराल रूप लेती समस्या से निपटा जा सकता है। राजनीतिक दल चुनावों में रैलियों व कार्यक्रमों के लिए जगह-जगह होर्डिंग व बैनर लगा देते हैं। उन्हें न किसी नियम की परवाह है और न किसी कानून की। इसके अतिरिक्त होर्डिंग-बैनर बनाने बनाने वाली एजेंसियों के सिर पर राजनीतिक दलों का हाथ होने से प्रशासन उनके आगे बेबस नजर आता है। इस परंपरा को खत्म किए जाने की जरूरत है, इसके बिना होर्डिंग्स के मकड़जाल को तोड़ पाना बेहद मुश्किल होगा। आज जरूरत यह है कि यदि कोई भी एजेंसी बिना पंजीकरण के होर्डिंग लगाती है तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा सभी एजेंसियों को सख्ती के साथ हिदायत दी जानी चाहिए कि सड़कों के किनारे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करें। अगर कोई ऐसा करता पाया जाए तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो। आज शहरों की सूरत बिगाड़ने में होर्डिंग्स बड़ी भूमिका निभा रहे हैं जिसे सुधारने के लिए शहरों में होर्डिंग लगाने के लिए महानगरों की तर्ज पर कमेटी का गठन किया जाना चाहिए। कमेटी की अनुमति के बाद ही होर्डिंग्स लगाये जाने चाहिए।

हेलीकॉप्टर हादसे में रईसी की मौत के बाकी सवाल

ईरान में राजकीय शोक की घोषणा कर दी गई है। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर को सबसे पहले तुर्की के ड्रोन ने ही लोकेट किया था। तुर्की के ड्रोन ने अज़रबैजान की सीमा से लगे तावील गांव की पहाड़ियों में उसके मलबे के पाये जाने की पुष्टि की थी। कुल 18-20 परिवारों का छोटा-सा गांव तावील, पूर्वी ईरान का हिस्सा है, जो वर्जाकन काउंटी में आता है। बकराबाद इसका मुख्यालय है। यहां पर रूसी और यूरोपीय संघ की खोजी टीमें ईरान की गोल्डन क्रीसेंट के साथ सहयोग के वास्ते आई थीं। अमेरिका की पूरी नज़र 'सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन' पर लगी हुई थी। अमेरिकी-इस्राइली मंशा को टटोलने वाले तेज़ी से कयास लगाने लगे कि इस दुर्घटना के पीछे कोई बड़ा खेल हुआ है। इब्राहिम रईसी को बूचर ऑफ तेहरान (तेहरान का कसाई) कहकर कोसने में अमेरिकी-इस्राइली मीडिया आगे रहा है।

पुष्परंजन

इसे तकनीकी भाषा में 'हार्ड लैंडिंग' बोलते हैं। लेकिन वास्तव में वह हेलीकॉप्टर क्रैश ही था, जिस पर ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी सवार थे। उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान, जुमे की नमाज़ अदायगी कराने वाले तबरीज के इमाम मोहम्मद अली आले-हशीम, पूर्वी अज़रबैजान के गवर्नर मालेक रहमति जैसे नौ ख़ास लोगों में से कोई भी ज़िंदा नहीं बच सका, जो 19 मई को पूर्वी अज़रबैजान में क़िज़ कलासी बांध के उद्घाटन के बाद वतन लौट रहे थे। बचाव दल ने माना है कि हेलीकॉप्टर में कोई नहीं बच सका। ईरान में राजकीय शोक की घोषणा कर दी गई है। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर को सबसे पहले तुर्की के ड्रोन ने ही लोकेट किया था। तुर्की के ड्रोन ने अज़रबैजान की सीमा से लगे तावील गांव की पहाड़ियों में उसके मलबे के पाये जाने की पुष्टि की थी। कुल 18-20 परिवारों का छोटा-सा गांव तावील, पूर्वी ईरान का हिस्सा है, जो वर्जाकन काउंटी में आता है। बकराबाद इसका मुख्यालय है। यहां पर रूसी और यूरोपीय संघ की खोजी टीमें ईरान की गोल्डन क्रीसेंट के साथ सहयोग के वास्ते आई थीं। अमेरिका की पूरी नज़र 'सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन' पर लगी हुई थी। अमेरिकी-इस्राइली मंशा को टटोलने वाले तेज़ी से कयास लगाने लगे कि इस दुर्घटना के पीछे कोई बड़ा खेल हुआ है। इब्राहिम रईसी को बूचर ऑफ तेहरान (तेहरान का कसाई) कहकर कोसने में अमेरिकी-इस्राइली मीडिया आगे रहा है। यहूदी मीडिया ने लगातार उन ज़ख्मों को ताज़ा किया था, जिसमें रईसी के आदेश से सैकड़ों राजनीतिक कैदी मार डाले गये थे। इस हेलीकॉप्टर हादसे पर शक की वजहें भी हैं। 3 जनवरी, 2020 को मेजर जनरल क़ासिम सुलेमानी बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में मारे गये थे। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान किस तरह की हिंसक कार्रवाई होती है, इससे ईरान जैसा देश अच्छी तरह से वाकिफ है। जनवरी, 2020 में ईरानी

गुप्तचर सेवा को सीआईए के उस 'विभीषण' का पता लगाने का टास्क दिया गया था, जिसने क़ुद्स फोर्स के कमांडर मेजर जनरल क़ासिम सुलेमानी के मूवमेंट की सूचना साझा की थी। सीआईए या मोसाद जैसी एजेंसियां मिडिल ईस्ट से संबद्ध हर ईमेल, वेबसाइट्स, सोशल मीडिया मैसेजिंग को खंगालती रहती हैं, जो उनका टारगेट होता है। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के मूवमेंट को गोपनीय क्यों नहीं रखा जा रहा था? यह भी एक बड़ा सवाल है। पिछले महीने 24 अप्रैल को राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी पाकिस्तान आये थे। सबको उनके कार्यक्रम का पता था। पाक-ईरान सीमा पर दोनों तरफ़ से जो हमले माज़ी में हुए थे, उसका डैमेज कंट्रोल किया, और आठ ऐसे समझौते किये, जो ऊर्जा-कृषि से इतर ईरान के न्यूक्लियर-मिलिट्री प्रोग्राम को बूस्टर डोज़ देने वाले थे। इस समझौते को रूस और चीन ने पॉजिटिव माना था, मगर यह बात वाशिंगटन को कहीं न कहीं चुभ रही थी। ग़ज़ा युद्ध में भी इब्राहिम रईसी की भूमिका सकारात्मक नहीं थी। ईरान लगातार उकसाने वाली कार्रवाई को अंजाम देता रहा। रईसी 1988 में राजनीतिक कैदियों को फांसी की देखरेख करने वाली एक समिति का हिस्सा थे। पांच महीनों के क्रूर कालखंड में रईसी ने जिस तरह से राजनीतिक विरोधियों को मरवाया, उसने उन्हें ईरानी विपक्ष के बीच अलोकप्रिय बना दिया था। अमेरिका को उन पर प्रतिबंध लगाना पड़ा। वर्ष 1989 में, ईरान के पहले सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहुल्लाह खुमैनी की मृत्यु के बाद रईसी को तेहरान का अभियोजक नियुक्त किया गया था। खुमैनी के बाद अयातुल्ला खामेनेई जब सर्वोच्च नेता बने, उनकी सरपरस्ती में रईसी लगातार आगे बढ़ते रहे। रईसी 7 मार्च, 2016 को सबसे बड़े धर्मादा 'अस्तान क़ुद्स रजावी' के अध्यक्ष बने, जिसने उनकी स्थिति को और मजबूत किया। 2017 के राष्ट्रपति चुनाव में पराजय के बाद इब्राहिम रईसी ने जून, 2021 में 62 प्रतिशत वोट लेकर कामयाबी हासिल की थी। इब्राहिम रईसी की एक ख़ासियत यह थी कि वो खुमैनी और ख़ामेनेई, दोनों खेमों का विश्वास हासिल करने में कामयाब रहे थे। 64 साल के इब्राहिम रईसी ने भले ही ईरान-चीन-रूस-सऊदी सहकार को मज़बूत किया, पाकिस्तान से आठ समझौते और भारत से चाबहार ट्रिटी कर अपनी विदेश नीति को बैलेंस किया, लेकिन ईरान की घरेलू सियासत में कठोरपंथ और क्रूरता के कॉकटेल का ही सहारा लिया था। वर्ष 2022 के अंत में, ईरान की मोरल पुलिस की हिरासत में महसा अमिनी की मौत क्रूरता का सबसे बड़ा उदाहरण बन गया था। हिजाब के विरुद्ध खड़ी 22 साल की महसा अमिनी की मौत से लोग सकते में थे। इस क्रूरता के विरुद्ध प्रतिरोध प्रदर्शनों ने ईरान को महीनों तक हिलाये रखा था। महिलाओं ने इस दमन के विरुद्ध अपने हिजाब उतार दिये, या जला दिये। कइयों ने अपने बाल काटकर सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किये थे। रईसी शासन ने अशांति फैलाने के आरोप में सात लोगों को सार्वजनिक फांसी दी थी। विदेशी मानवाधिकार संगठनों ने माना कि 500 के आसपास लोगों को बड़ी गुपचुप ढंग से मरवाया, और ताबड़-तोड़ दमनात्मक कार्रवाई की, जिससे 2023 के मध्य तक रैलियां समाप्त हो गईं। लोकतंत्र और व्यक्तिगत आज़ादी को कुचलने वाले एक क्रूर राष्ट्रपति की मौत पर क्या समस्त ईरान शोक मना रहा है? ईरानी क़ानून के अनुसार, राष्ट्रपति की मौत हो जाने की स्थिति में उपराष्ट्रपति को कार्यभार सौंपना होगा, और 50 दिनों के भीतर चुनाव कराना होगा। यों भी, 1 मार्च, 2024 को 290 सदस्यीय संसद (मजलिस) का चुनाव हो चुका है, और जून, 2025 तक राष्ट्रपति चुनाव की प्रतीक्षा लोग कर रहे थे। इस समय प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मुखबिर ने कार्यभार संभाल लिया है। कार्यकारी राष्ट्रपति कार्यालय दुनियाभर से आये शोक संदेशों को रिसीव करने लगा है, जिसमें पीएम मोदी की तरफ़ से भेजा मैसेज भी है। अजरबैजान 1991 में आज़ाद हुआ, तब से उसके इस्राइल के साथ प्रगाढ़ राजनयिक संबंध हैं, जो ईरान को कांटे की तरह चुभता रहा है। ईरान के नाभिकीय कार्यक्रमों पर नज़र रखने के लिए अजरबैजान का मोसाद ने जमकर इस्तेमाल किया है। इस्राइल-तुर्की- अजरबैजान की पार्टनरशिप को लेकर तेहरान कभी सहज नहीं हो सका। जनवरी, 2023 में तेहरान स्थित अज़रबैजान दूतावास पर हमला कर उसके सुरक्षा प्रमुख को मार डाला गया था, साथ में कई सुरक्षाकर्मी घायल भी हुए थे।

बदलते चरणों के साथ बदलती चुनावी डिक्शनरी

चुनाव सीजन 2024 के संदर्भ में डिक्शनरी में कुछ नये बदलाव किये गये हैं, वो इस प्रकार हैं:-

मंगलसूत्र, भारतीय स्त्रियों द्वारा पहना जाने वाला ऐसा गहना, जिसके गहरे राजनीतिक इस्तेमाल संभव हैं। कोई पार्टी कह सकती है कि इसे बनवाकर देंगे, अगर हम चुनाव जीत गये, कोई पार्टी कह सकती है कि अगर विरोधी पार्टी चुनाव जीत गयी, तो इसे छीनकर ले जायेगी। यानी मंगलसूत्र को कुल मिलाकर ऐसा गहना माना जा सकता है, जिसके जरिये तमाम राजनीतिक पार्टियां अपना मंगल करने की सोचती हैं।

औरंगजेब, भारतीय इतिहास में एक मुगल बादशाह, जिसकी इलेक्शन ड्यूटी हर चुनाव में लग जाती है। करीब बीस मुगल बादशाहों में सबसे ज्यादा इलेक्शन ड्यूटी करने वाला बादशाह औरंगजेब ही है। हर चुनाव में औरंगजेब का जिक्र होता है। संविधान, भारत का राजकाज चलाने के लिए तैयार एक ग्रंथ, जिसे ज्यादातर नेता नहीं पढ़ते। पर कई नेता इसे लेकर घूमते हैं, चुनाव प्रचार के लिए। संविधान का अब इतना ही इस्तेमाल है कि यह नेताओं की जेब में दिखाई देता है।

असली और चाईनीज, असली आइटम से आशय ओरिजनल से है और चाईनीज आइटम से आशय नकली टाइप आइटम से होता है। जैसे महाराष्ट्र में दो शिवसेनाएं हैं, एक उद्धव ठाकरे की शिवसेना और दूसरी एकनाथ शिंदे की शिवसेना, एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे। दोनों ही एक-दूसरे की शिवसेना को चाईनीज बता रहे हैं। पर इन्हें खतरे का पता नहीं है। एक-दूसरे की शिवसेना को चाईनीज बताने का खतरा यह है कि चीन फिर दोनों ही शिवसेनाओं पर दावा कर सकता है। चीनी नीयत का हाल बहुत खराब है उससे सावधान रहने की जरूरत है। चीन की सरकार जिस दिन भी चाहे चमनपुरा के उस इलाके को चाईनीज घोषित कर सकती है, जहां चाईनीज फूड का ठेला लगता है।

ईडी के नये आरोप से केजरीवाल ही नहीं पूरी आम आदमी पार्टी की मुसीबत बड़ी !

> फंड ट्रांसफर करने के लिए विभिन्न दानदाताओं द्वारा एक ही पासपोर्ट नंबर, क्रेडिट कार्ड, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया है।
>
> ईडी ने अपनी जांच में आप और उसके नेताओं द्वारा विदेशी फंड जुटाने में अनियमितताओं के कई मामलों का जिक्र किया है।इसमें पार्टी विधायक दुर्गेश पाठक सहित कई नेताओं पर 2016 में कनाडा में फंड रेजिंग प्रोग्राम से जुटाए गए पैसे का व्यक्तिगत लाभ के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। साथ ही अनिकेत सक्सेना (आप ओवरसीज इंडिया के कॉर्डिनेटर), कुमार विश्वास (आप ओवरसीज इंडिया के तत्कालीन संयोजक, कपिल भारद्वाज (आप सदस्य) और पाठक सहित विभिन्न आप स्वयंसेवकों और पदाधिकारियों के बीच भेजे किए गए ई-मेल की सामग्री के जरिए आरोपों की पुष्टि की है।

अशोक भाटिया

दिल्ली और पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने खुलासा किया है कि आप ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम का उल्लंघन कर सात करोड़ रुपये से अधिक विदेशी फंड अवैध तरीके से हासिल किया। ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर एफसीआरए जांच का आग्रह किया है।

ईडी ने पंजाब के पूर्व आप विधायक सुखपाल सिंह खैरा और अन्य के खिलाफ ड्रग्स से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के दौरान कुछ दस्तावेज व ईमेल बरामद करने के बाद यह पत्र भेजा गया। जांच 2021 में शुरू हुई थी। खैरा अब कांग्रेस में हैं। ईडी ने बीते साल अगस्त में गृह मंत्रालय को पत्र भेजा था। इसमें आप की ओर से उल्लंघनों का जिक्र था व इन मामलों को एफसीआरए व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के उल्लंघन के रूप में वर्गीकृत किया था। ईडी ने हाल में गृह मंत्रालय से कुछ नई जानकारियां भी साझा की हैं। दूसरी ओर, आप की मंत्री आतिशी ने कहा, हमने पूरी पारदर्शिता के साथ चंदा लिया है। भाजपा ईडी के जरिये नई साजिश कर रही है।

जानकारी के मुताबित ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को बताया है कि आप पार्टी को 2014-2022 के दौरान 7.08 करोड़ रुपये का विदेशी फंड प्राप्त हुआ है। जांच एजेंसी ने पार्टी पर इस विदेश फंड को हासिल करने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए), और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस फंड को हासिल करने के लिए विदेशी दानदाताओं की पहचान और राष्ट्रीयता के साथ-साथ कई अन्य तथ्यों को छिपाने जैसे आरोप ईडी ने अपनी रिपोर्ट में लगाए हैं। ईडी ने बताया कि आम आदमी पार्टी को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान और अन्य देशों के कई दानदाताओं से धन प्राप्त हुआ। फंड ट्रांसफर करने के लिए विभिन्न दानदाताओं द्वारा एक ही पासपोर्ट नंबर, क्रेडिट कार्ड, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया है।

ईडी ने अपनी जांच में आप और उसके नेताओं द्वारा विदेशी फंड जुटाने में अनियमितताओं के कई मामलों का जिक्र किया है। इसमें पार्टी विधायक दुर्गेश पाठक सहित कई नेताओं पर 2016 में कनाडा में फंड रेजिंग प्रोग्राम से जुटाए गए पैसे का व्यक्तिगत लाभ के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। साथ ही अनिकेत सक्सेना (आप ओवरसीज इंडिया के तत्कालीन संयोजक, कपिल भारद्वाज (आप सदस्य) और पाठक सहित विभिन्न आप स्वयंसेवकों और पदाधिकारियों के बीच भेजे किए गए ई-मेल की सामग्री के जरिए आरोपों की पुष्टि की है।

समाचारों के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में फंड रेजिंग कैंपेन के जरिए न केवल पैसा एकत्र किया गया, बल्कि विदेशी फंड पर स्वतंत्र के तहत लगाए गए प्रतिबंधों से बचने के लिए आप पार्टी ने बुक ऑफ अकाउंट्स में वास्तविक दानदाताओं की पहचान भी छिपाई।बताया जाता है कि कई दानदाताओं ने दान के लिए एक ही पासपोर्ट नंबर का इस्तेमाल किया है, कई दानदाताओं ने दान के लिए एक ही ई-मेल आईडी का इस्तेमाल किया है, कई दाताओं ने एक ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया है; कई दानदाताओं ने दान के लिए एक ही क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया है। ईडी ने अपनी जांच से संबंधित सभी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय को दानकर्ताओं के विवरण के साथ शेयर की है। जैसे फंडिंग करने वाले के नाम, दानकर्ता का देश, पासपोर्ट नंबर, दान की गई राशि, दान का तरीका और प्राप्तकर्ता का बैंक खाता नंबर, बिलिंग नाम, बिलिंग पता, बिलिंग टेलीफोन नंबर, बिलिंग ई-मेल, दान का समय और तारीख और पेमेंट के लिए इस्तेमाल किए गए गेटवे आदि, जो कि पीएमएलए, 2002 के तहत जांच के दौरान एकत्र किए गए हैं। एजेंसी ने कनाडाई नागरिकों की ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबरों के माध्यम से दान से संबंधित सबूत भी एकत्र किए हैं। ईडी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि आप पार्टी द्वारा विदेशी फंड हासिल करने में एफसीआरए उल्लंघन और अन्य अनियमितताएं पाकिस्तान से भारत में बॉर्डर के जरिए हेरोइन की तस्करी में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल के खिलाफ पंजाब के फाजिल्का जिले में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान सामने आई है। इस संबंध में फाजिल्का की एक विशेष अदालत ने पंजाब के भोलाथ से तत्कालीन आप विधायक सुखपाल सिंह खैरा को आरोपी के रूप में समन जारी किया था। पीएमएलए के तहत ईडी द्वारा जांच के दौरान, खैरा और उसके सहयोगियों के आवासीय परिसरों में तलाशी ली गई, जिसके परिणामस्वरूप विदेशी फंड के विवरण वाले आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। इसमें अमेरिका में दानदाताओं की सूची वाले कंप्यूटर से लिखे चार पेज और हाथ से लिखे आठ पेज की डायरी शामिल है।

ईडी ने आरोप है कि जब्त किए गए दस्तावेजों की जांच से कुल 1,19,000 अमेरिकी डॉलर के विदेशी फंड मिलने की जानकारी मिली है। खैरा ने अपने बयान में खुलासा किया कि 1,19,000 डॉलर की विदेशी फंडिंग 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले अप्रैल-मई, 2015 में आप पार्टी द्वारा अमेरिका में आयोजित फंड रेजिंग कैंपेन के दौरान जुटाई गई थी। ईडी ने कहा कि इस संदर्भ में आप पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता को तलब किया गया था, जिन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी को चेक या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विदेशी चंदा मिलता रहा है। गुप्ता द्वारा प्रस्तुत विदेशी फंड के आंकड़ों के विश्लेषण से विदेशी फंड की प्राप्ति में निम्नलिखित विसंगतियों का पता चला है, जो एफसीआरए के प्रावधानों का उल्लंघन है उसके अनुसार बताया जाता है कि -कई दानदाताओं ने दान के लिए एक ही पासपोर्ट नंबर का उपयोग किया है।-विदेश में रहने वाले 155 व्यक्तियों ने 55 पासपोर्ट नंबरों का उपयोग करके 404 मौकों पर कुल मिलाकर 1।02 करोड़ रुपये का फंड दिया है।-विदेश में रहने वाले 71 दानदाताओं ने 21 मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करके 256 मौकों पर कुल मिलकर 99,90,870/- रु।का फंड दिया।-विदेश में रहने वाले 75 दानदाताओं ने 148 अवसरों पर कुल 19,92।123/- रुपये का दान देने के लिए 15 क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया है।ये तथ्य दान के लिए इस्तेमाल किए गए धन के वास्तविक स्रोत की पहचान और राष्ट्रीयता को छुपाने को साबित करते हैं। यह विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 का उल्लंघन है।

जांच से यह भी पता चला कि आप पार्टी ने एक संस्था का गठन किया है। आप ओवरसीज़ इंडिया के साथ-साथ अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में वॉलंटियर भी शामिल थे, जिनका प्राथमिक कार्य आप इंडिया के लिए विदेशी धन जुटाना था। यह भी पता चला है कि करोड़ रुपये के विदेशी दान का लक्ष्य रखा गया है। साल 2016 में इन वॉलंटियर्स के लिए 50 करोड़ रुपये तय किए गए थे। 19 कनाडाई नागरिकों की ईमेल आईडी और मोबाइल नंबरों का उपयोग करके कुल 51,15,044/- रुपये का दान प्राप्त हुआ है। हालांकि, इन कनाडाई नागरिकों के नाम और उनकी राष्ट्रीयता छिपा दी गई है और रिकॉर्ड में सही ढंग से प्रतिबिंबित नहीं हुई है। इसके बजाय, इस फंड के लिए अलग-अलग नामों का उल्लेख किया गया है और यह जानबूझकर आप पार्टी द्वारा विदेशी नागरिकों द्वारा दान को छिपाने के लिए किया गया था जो एफसीआरए, 2010 की धारा 3 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 298 का उल्लंघन है। एफसीआरए का पूरा नाम फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट है। जिसे हिंदी में विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम कहा जाता है। इसे साल 1976 में बनाया गया था और 2010 में इसमें संशोधन किया गया। एफसीआरए विदेशी चंदा लेने के लिए इजाजत तो देती ही है साथ ही विदेश से मिल रहे फंडिंग पर नजर भी रखती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जो फंडिंग मिल रही है उसका उद्देश्य क्या है और क्या वह किसी तरह की आतंकी फंडिंग तो नहीं है। इसके अलावा सुरक्षा संबंधी जानकारी भी रखना एफसीआरए का काम है।

नई उम्मीदों से भरा है सेट डिजाइनिंग सेक्टर

आप जब भी कोई फिल्म देखते हैं तो कई बार उसमें ऐसे कई प्रकार के मनभावक और असली दिखने वाले दृश्य दिखते हैं। जिसे आप हकीकत समझने लगते हैं। ऐसा किसी एक फिल्म में नहीं बल्कि कई फिल्मों में देखने को मिल जाता है। यह सारी क्रिएटीविटी एक सेट डिजाइनर करते हैं। वैसे भी इस आधुनिक काल में हर चीज लोगों के काफी करीब पहुंच गई हैं। वह भी किफायती कीमतों पर। ऐसे में इसमें युवाओं के लिए बेहतरीन कैरियर भी उपलब्ध होना आम ही लगता है। इसीलिए आज टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में जितनी इंपॉर्टेंस डायरेक्टर की है, उतनी ही आर्ट डायरेक्टर की भी, जो सीरियल या फिल्म मेकिंग के दौरान सेट डिजाइन के हर काम पर बारीक ध्यान रखता है। अब अगर आप में भी स्पेस, फॉर्म, विजुअल स्टोरी बोर्ड, डिजाइन ले-आउट और लाइटिंग स्कीम्स की समझ या नॉलेज हो, तो बतौर सेट डिजाइनर एक आर्टिस्टिक करियर बना सकते हैं।

पहले से करनी होती है तैयारी

सेट डिजाइनर का जॉब कुछ ऐसा है कि उसे फिल्म या टीवी सीरियल का सेट तैयार करने के लिए प्रॉपर रिसर्च और प्लानिंग करनी पड़ती है। ऐसे में डिजाइनर के पास स्ट्रॉन्ग एस्थेटिक सेंस, रिसर्च स्किल्स के साथ सीन की इंपॉर्टेंस के हिसाब से परफेक्ट बजट बनाने की आर्ट होनी चाहिए, क्योंकि हर सीन के हिसाब से अलग सेट बनाना। फाइनेंसर जितना बजट डिसाइड करता है, उसी में सेट डिजाइन करना होता है। वहीं, जिनमें टीमवर्क की कैपेसिटी नहीं है, वे सेट डिजाइनर के रूप में वर्क कर ही नहीं सकते, क्योंकि उन्हें कारपेंटर, इलेक्ट्रिशियन, लाइटमैन, साउंडमैन से लगातार टच में रहना होता है।

तकनीकि ज्ञान

सेट डिजाइनिग के क्षेत्र में इमेजिनेशन क्वॉलिटी के अलावा टेक्नोलॉजी की नॉलेज सबसे ज्यादा इंपॉर्टेंट है। अगर आप लंबे समय तक इस फील्ड में बने रहना चाहते हैं, तो कंप्यूटर के साथ-साथ वेक्टरवर्क्स, रेंडरवर्क्स, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर

मैक्स आदि सॉफ्टवेयर्स की नॉलेज होना जरूरी है।

शैक्षणिक योग्यता

अगर आप सेट डिजाइनर बनना चाहते हैं, तो इसके लिए बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का कोर्स अच्छा रहेगा। यह पाठ्यक्रम सीनियर सेकंडरी पास करने के बाद भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनिग एंड आर्किटेक्चर की जानकारी भी इस फील्ड में एंट्री करने की अवसा देती है।

भविष्य

इंडिया में निजी टेलीविजन चैनल्स की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। चैनल चाहें नए हों या फिर पुराने सभी टीआरपी की रेस में एक दूसरे से बेहतर पोजीशन हासिल करना चाहते हैं। टीआरपी की रेस में आगे आने के लिए अच्छे से अच्छे स्टेज शो, रियलिटी शो, नए सीरियल्स की डिमांड लगातार बढ रही है। माना तो यह भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में फिल्म इंडस्ट्री से कहीं ज्यादा सेट डिजाइनर्स की डिमांड टेलीविजन सेक्टर में ही होगी।

एयरपोर्ट डिजाइनिंग संवारें भविष्य

एयरपोर्ट जहां बड़े–बड़े लोगों को आना जाना लगा रहता है। जो एक देश को दूसरे देश को जोड़ता है। इस क्षेत्र में युवाओं के कैरियर की भी अपार संभावनाएं मौजूद है। इसी में से एक है दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टी–3 टर्मिनल। जहां कदम रखने के साथ ही अहसास होता है कि आप लंदन के हीथ्रो या जर्मनी के फ्रैंकफर्ट या फिर कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस जैसे किसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खडे हैं। इंटरनेशनल एयरपोर्ट टी–3 टर्मिनल एयरपोर्ट डिजाइनिग क्षेत्र में काल्पनिक और क्रिएशन का शानदार नमूना है। आइए जाने एयरपोर्ट डिजाइनिंग के बारे कुछ जानकारियां और कैरियर की संभावनाएं।

क्या है एयरपोर्ट डिजाइनिग?

बेहतर टेक्नोलॉजी और ग्लोबलाइजेशन के कारण हर कंट्री अपने एयरपोर्ट को मॉडर्न लुक देना चाहता है। एयरपोर्ट को मॉडर्न व एथनिक लुक एयरपोर्ट डिजाइनर देते हैं। अपनी क्रिएटिविटी और लोकल टच से ये एयरपोर्ट आने वाले सभी पैसेंजर्स को अपनी डिजाइनिग से इंप्रेस करने में सफल होते हैं। एयरपोर्ट में दो तरह का वर्क होता है- एयर साइड डेवलपमेंट और सिटी साइड डेवलपमेंट। एयर साइड डेवलपमेंट के अंतर्गत रनवे, टैक्सी वे और एयर ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर्स की डिजाइनिग का वर्क होता है, तो वहीं सिटी साइड डेवलपमेंट में टर्मिनल बिल्डिग्स और इससे संबंधित अन्य वर्क होते हैं।

पात्रता

भारत में एयर डिजाइनर के लिए कोई विशेषज्ञ पाठ्यक्रम मौजूद नहीं है, लेकिन अगर आपके पास आर्किटेक्चर में डिग्री या डिप्लोमा है या आप सिविल इंजीनियर हैं तो इस व्यावसाय में प्रवेश कर सकते हैं।आर्किटेक्चर कोर्स के अंतर्गत एक विषय के रूप में इसकी पढ़ाई होती है और बाद में इससे संबंधित विशेषज्ञ कोर्स किया जा सकता है। अगर आप सीनियर सेकेंडरी पीसीएम से पास हैं, तो आप आर्किटेक्चर कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

संभावनाएं

भारत में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का अभाव है और ग्रीन एयरपोर्ट भी एक चुनौती है।इसके अलावा आज काफी लोग हवाई जहाज में सफर करना पसंद कर रहे हैं। पब्लिक की सुविधा के लिए गवर्नमेंट और प्राइवेट लेवल पर टियर-2 से लेकर टियर-3 शहरों में भी काफी संख्या में एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं। इस कारण इसमें अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा संभावनाएं अधिक हैं।

जरूरी योग्यता

- अंतरराष्ट्रीय नियम और रेगुलेशंस की जानकारी
- नॉलेज ऑफ कंस्ट्रक्शन टेक्निक्स एंड लेटेस्ट टेक्नोलॉजी
- टीम भावना
- अभिनव विचार
- एबिलिटी टू प्रोवाइड क्वॉलिटी वर्क
- कमिटमेंट ऑफ डेडलाइन
- क्षेतीय जानकारियां

पर्यटन बनाएं नई पहचान

हर देश की अपनी एक पहचान और अपनी ही एक साख है। कई देश टूरिज्म के लिए जाने जाते हैं और कई अपनी लाइफस्टाइल के लिए। भारत एक ऐतिहासिक देशों की गिनती में आता है। यहां पर कई नेचुरल एंड हिस्टोरिकल हेरिटेज, आर्ट-कल्चर मौजूद हैं। जो विदेशी पर्यटकों को लुभाने के लिए सहायक हैं। वहीं जीवनशैली और लिटरेचर के कारण इंडिया डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों ही तरह के टूरिस्ट्स की फेवरेट जगह रहा है। इस फील्ड से रिलेटेड जॉब्स भी बहुत हैं, जिनमें अच्छी-खासी कमाई की जा सकती है।

पर्सनल स्किल्स

जो स्टूडेंट इस क्षेत्र के साथ जुडकर अपना फ्यूचर उज्जवल बनाना चाहते हैं। उनके लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र की बारीकियों को समझने के अलावा हिदी और इंग्लिश लैंग्वेज के साथ एक और इंडियन या फॉरेन लैंग्वेज पर कमांड हासिल करें। एक शोध के अनुसार साल 2019 तक टूरिज्म सेक्टर में एग्रीकल्चर के बाद सबसे ज्यादा जॉब होंगे। इंडिया में भी इस सेक्टर में ग्रोथ लगातार दिखाई दे रही है। क्योंकि यह पूरी इंडस्ट्री रिलेशन और कॉन्टैक्ट पर डिपेंड करती है। स्टूडेंट कंट्री के डिफरेंट एरियाज के क्लाइमेट्स, एटमॉस्फियर, वहां होने वाले फेस्टिवल आदि से रिलेटेड नॉलेज भी गेन करें।

रोजगार का भविष्य

गवर्नमेंट टूरिज्म डिपार्टमेंट, ट्रैवल एजेंसीज, एयरलाइंस, होटल्स आदि सभी जगह जॉब्स की उम्मीदें बढती जा रही हैं। यह इंडस्ट्री आपको सेल्फ एंप्लॉयमेंट के एक नहीं, बल्कि कई ऑप्शन्स देती है। टूर गाइड, टूर प्लानर, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि किसी के भी जरिए इस फील्ड के साथ जुड सकते हैं।

पाठ्यक्रम

आप स्नातक और पोस्ट ग्रेजुएशन करने के अलावा चाहें तो, शार्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं। इसका बैचलर डिग्री कोर्स तीन साल का है और ज्यादातर पीजी कोर्स दो साल के हैं। इसके शॉर्ट टर्म कोर्सेज का टाइम पीरियड अलग-अलग हो सकता है

योग्यता

अगर आप इस ग्रोइंग इंडस्ट्री के साथ जुडना चाहते हैं, तो कम से कम बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। इसमें पीजी और पीजी डिप्लोमा कोर्सेज के लिए मिनिमम क्वॉलिफिकेशन ग्रेजुएशन है। किसी भी स्ट्रीम और सब्जेक्ट के स्टूडेंट्स इन कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं।

प्रतिष्ठित क्षेत्र

पर्यटन के क्षेत्र से गाइड, टूर एस्कॉर्ट मैनेजर, टूर एजेंट आदि के रूप में तो आप जुड ही सकते हैं साथ ही आप टूरिज्म इंडस्ट्री के विभिन्न ब्रांचेज जैसे एडवेंचर टूरिज्म, हेरिटेज टूरिज्म, बीच टूरिज्म, रूरल टूरिज्म, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म, ईको टूरिज्म आदि की नॉलेज लेकर भी इस फील्ड में एंट्री कर सकते हैं। ट्रेंड यूथ्स की इन सभी एरियाज में काफी जरूरत है।

शुरुआती वेतनमान

सैलरी के लिहाज से भी यह सेक्टर हमेशा से अच्छा माना जाता रहा है। हालांकि इस फील्ड में सैलरी इस बात पर डिपेंड करती है कि स्टूडेंट ने कौन सा कोर्स किया है और किस इंस्टीटयूट से किया है। इस फील्ड से रिलेटेड स्किल्स जितनी मजबूत होंगी, सैलरी भी उतनी ही होगी।

बाइक पर सवार होकर जा रहे थे परीक्षा देने, भाई की मौत, बहन गंभीर

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह में रुक जाना नहीं योजना के तहत जबेरा तहसील के पौंडी गांव से कक्षा दसवीं की परीक्षा देने के लिए बहन को परीक्षा केंद्र छोड़ने जा रहे चचेरे भाई की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। अब तक यह पता नहीं चल सका है कि उनकी बाइक को अभाना के पास किस वाहन ने टक्कर मारी है। हादसे के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां सिर्फ भाई-बहन ही थे।

बहन का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जबेरा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों से 70 से 80 किलोमीटर की दूरी तय कर बच्चे परीक्षा देने दमोह पहुंच रहे हैं। मंगलवार सुबह यह हादसा हुआ। मंत्री धर्मेंद्र सिंह के विधानसभा क्षेत्र में एक भी परीक्षा केंद्र नहीं होने से बच्चों को परेशानी हो रही है। भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी राहुल सिंह के गृह नगर हिंडोरिया में परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि परीक्षा में जबेरा विधानसभा के साथ भेदभाव होता रहा है। स्थानीय नेता और राज्य मंत्री कुछ नहीं कर पाए। नोहटा थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर जब पुलिस और 108 पहुंची, उस समय केवल घायल युवक और उसकी बहन थी। टक्कर कैसे लगी इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। मौजूद लोगो से भी पूछताछ की गई है। मृतक युवक और घायल छात्रा को जिला अस्पताल भेजा गया था, जहां छात्रा का उपचार चल रहा है। पुलिस वाहन की खोजबीन में लगी हुई है।

70 किमी दूर से बहन को लेकर आ रहा था भाई

जबेरा तहसील के पौड़ी गांव निवासी शिवम पिता लखन चौधरी, 20 वर्ष, अपनी चचेरी बहन मोहनी पिता राजेश चौधरी, 19 वर्ष, को रुक जाना नहीं योजना के तहत कक्षा 10 की परीक्षा देने 70 किमी दूर से दमोह आ रहा था। नोहटा थाना के अभाना गांव के समीप बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। शिवम की मौके पर ही मौत हो गई। गांव में कोई आवागमन के साधन न होने के चलते वह अपनी बहन को बाइक से लेकर समय पर परीक्षा केंद्र के लिए निकला था। दोनों भाई-बहन के पिता गांव में नहीं हैं बल्कि मजदूरी करने हरियाणा गए हैं। घर में कोई बड़ा व्यक्ति न होने की वजह से चचेरा भाई मोहनी को लेकर आ रहा था।

घायल बुजुर्ग को अनाज की बोरियों पर लिटाकर ले घर गए परिजन

दमोह। आरएमओ ने कहा कि प्रसूता महिलाओं और पांच साल तक के बच्चे को घर ले जाने के लिए सरकारी एंबुलेंस देने की व्यवस्था है। ऐसा कोई नियम नहीं है कि मरीज को उसके घर छोड़ने के लिए शासकीय वाहन उपलब्ध कराया जाए।

दमोह जिला अस्पताल में व्यवस्थाएं वेंटिलेटर पर हैं। मंगलवार को एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक बुजुर्ग को एंबुलेंस की जरूरत थी, लेकिन उसके परिजन मालवाहक पर अनाज की बोरियों पर लिटाकर घर ले जा रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि केवल गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए ही एंबुलेंस उपलब्ध होती है।

बताया जा रहा है कि एक बुजुर्ग का पैर टूट जाने पर उसे जिला अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया था। सोमवार को बुजुर्ग की छुट्टी हो गई। परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। तब घर ले जाने उनके पास कोई साधन नहीं था। गांव की ओर जाने वाले एक माल वाहक ऑटो को लेकर वे अस्पताल पहुंचे। उस पर अनाज की बोरियां रखी हुई थी। उसी पर बुजुर्ग को भरी दुपहरी में लिटाया गया। इसके बाद सिर के नीचे एक गद्दी रखी गई और परिजन ऊपर से चादर बांधकर उन्हें घर ले गए।

पूरा घटनाक्रम जिला अस्पताल के गेट पर चल रहा था। कुछ लोगों ने इसका वीडियो बना लिया जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। बुजुर्ग कौन था, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। इस मामले में जिला अस्पताल के आरएमओ डॉक्टर विशाल शुक्ला ने बताया कि प्रसूता महिलाओं और पांच साल तक के बच्चे को घर छोड़ने के लिए सरकारी एंबुलेंस की व्यवस्था की जाती है। ऐसा कोई भी नियम नहीं है कि मरीज को उसके घर छोड़ने के लिए शासकीय वाहन उपलब्ध कराया जाए।

दूसरी बात यह है कि किसी भी मरीज के परिजन ने घर छोड़ने के लिए एंबुलेंस के संबंध में कोई बात भी अस्पताल प्रबंधन से नहीं की।

शव को स्ट्रेचर पर ले जाने के लिए मांगे 400, मजबूर पिता ने दिये पैसे

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में शव को स्ट्रेचर पर ले जाने के लिए 400 मांगे गए। जिसके बाद पिता ने मजबूरी में महिला वार्ड कर्मचारी को 100 रुपये दिए, तब वह स्ट्रेचर पर शव ले जाने के लिए तैयार हुई। पूरा मामला कुछ इस तरह का है कि चौरई के करलई निवासी आशाडू सरेआम की बेटी द्रौपदी सरेआम ने अज्ञात कारण से अपने घर में रखा सफाया जहर पी लिया था।

परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए थे, जहां पर उसकी मौत हो गई थी। मौत के बाद अस्पताल की यूडीएस वार्ड कर्मचारी ममता ने स्टेचर पर ले जाने के लिए 400 रुपए की मांग की। परिजन ने 100 रुपए देकर शव को मोर्चरी तक पहुंचाया।

मामला सामने आने के बाद संबंधित महिला कर्मचारी का कहना है कि उसने कोई पैसे की डिमांड नहीं की और ना ही पैसे लिए हैं। वहीं इस सारे मामले को लेकर डॉक्टर टांडेकर का कहना है कि यह शिकायत सामने आई है, जिसकी जांच की जाएगी।

चोरी लाखों की एफआईआर हजारों की

एसपी को शिकायत देकर घर लौटे तो बाइक भी हो गई चोरी

शहडोल। ब्यौहारी थाना क्षेत्र में एक घर में लाखों रुपए की चोरी हो गई जिसकी शिकायत करने जब फरियादी थाने पहुंचा तो पुलिस ने 26 हजार रुपए की ही चोरी का मामला दर्ज किया। एसपी के पास फरियाद लेकर फरियादी पहुंचा तो घर से बाइक चोरी हो गई।

शहडोल जिले का ब्योहारी थाना क्षेत्र इन दिनों चोर-उचक्कों और माफिया की शरणस्थली बना हुआ है। रेत माफिया के साथ-साथ अब चोरों का आतंक बढ़ गया है। ताजा मामला ब्योहारी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 महात्मा गांधी नगर का है। सराफा व्यवसायी विवेक सोनी पिता शिव नरेश सोनी के सूने घर मे 13 मई को अज्ञात चोरो ने धावा बोला और साढ़े पांच लाख रुपये नकद व जेवरात समेत 18.50 लाख रुपए का माल चुरा लिया।

घटना के बाद पीड़ित ने लाखों की चोरी की शिकायत थाने मे दर्ज कराई, लेकिन 18.50 लाख की चोरी की शिकायत को थाने में सिर्फ 26 हजार की रिपोर्ट दर्ज की गई। फरियादी को घर भेज दिया गया।

फरियादी ने चोरी गए साढ़े पांच लाख रुपए नगद के आलावा जेवरात की सूची पुलिस को सौंपी थी। यह भी बताया गया था कि जिस बैग में यह जेवरात रखे थे, उसमें इनका बिल भी था, जो चोर ले गए हैं। चोरी गए जेवरात के बिल की दूसरी कॉपी भी दी जा सकती है। इसके बावजूद लाखों की चोरी को हजारों में बदलकर पुलिस ने साख बचाने का प्रयास किया। निराश होकर पीड़ित विवेक सोनी पिता शिव नरेश सोनी अपने पुत्र के साथ सोमवार को पुलिस अधीक्षक के पास अपनी फ़रियाद सुनाने पहुंचा। उसने घटनाक्रम बताते हुए घर में लाखों की चोरी की सही रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की थी।

फरियादी अपनी फ़रियाद सुनाकर घर लौट रहा था, तब घर पहुँचने से पहले शाम लगभग साढ़े सात बजे दूसरे पुत्र ने फोन करके बताया कि घर के बाहर खड़ी मोटर साइकिल पल्सर क्रमांक एमपी 17 एमआर 1317 चोरी हो गई है। इस घटना को सुनकर पीड़ित को एक और झटका लगा। ब्योहारी मे चोरों के आतंक का अंदाज इस बात से ही लगाया जा सकता है कि एक घर में लाखों की चोरी करने के बाद उसी घर के सामने से मोटरसाइकिल भी चुरा ले गए। चोरों ने दिलेरी दिखाते हुए पीड़ित सोनी के घर के बगल में रहने वाले एडवोकेट राजेंद्र वैश्य के घर का ताला तोड़कर तीसरी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने वहां से मोबाइल समेत हजारों का सामान चुराया। घटना के समय वैश्य के परिवार के लोग अपने गांव गए हुए थे। एक ही मोहल्ले में सात दिन में तीन बार चोरी हो चुकी है।

नाली के चेंबर का ढक्कन ले उड़ा टैक्सी ड्राइवर

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई घटना; पुलिस गश्ती पर उठे सवाल

टीकमगढ़। टीकमगढ़ शहर में पिछले दो माह के दौरान करीब 18 से ज्यादा चोरियां हो चुकी हैं, लेकिन एक भी मामले का पुलिस खुलासा नहीं कर पाई है। बीती रात्रि एक ऐसा मामला सेल सागर चौराहे से समाने आया है।

टीकमगढ़ शहर के सेल सागर चौराहे पर बनी नाली के चेंबर को ढकने के लिए नगर पालिका द्वारा लोहे की प्लेट रखी गई थी। ताकि राह चलते लोगों को परेशानी ना हो। मंगलवार की सुबह जब लोगों ने देखा कि चेंबर खुला है तो आसपास के दुकानदार का सीसीटीवी खंगाला गया, जिसमें रात 1:00 बजे एक टैक्सी चालक जो नाली के पास आता है और टैक्सी को रोक करके नाली के ढक्कन को चोरी करते हुए साफ तौर पर देखा जा रहा है। स्थानीय नागरिक राजकुमार ने बताया कि अज्ञात चोर बड़ी आसानी से नाली के ऊपर रखे लोहे के ढक्कन को चोरी कर लिया।

200 मीटर दूर है कोतवाली

जहां से नाली का ढक्कन चोरी हुआ है, वहां से मात्र 200 मीटर की दूरी पर पुलिस कोतवाली टीकमगढ़ है। इस दूरी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि टीकमगढ़ कोतवाली पुलिस कितनी रात्रि में सजग रहती है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने अज्ञात टैक्सी चालक की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्दी आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

दुर्घटना में मारे गए मृतक के परिजन बोले- आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो

जबलपुर। पुणे कार दुर्घटना मामले में जबलपुर के एक कपल की मौत हो गई। इस दुर्घटना में मारे गए अश्विनी कोष्टा के पिता सुरेश कोष्टा ने कहा कि नियम के मुताबिक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि लोगों को इससे सबक मिले। बता दें कि 19 मई को तेज रफ्तार पोर्शे कार ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। आरोपी को किशोर न्याय बोर्ड ने जमानत दे दी है और उसके पिता विशाल अग्रवाल को आज हिरासत में लिया गया है।

दोनों जबलपुर के थे और मोटरसाइकिल पर एक पार्टी से लौट रहे थे। उन्हें लगभग 2.30 बजे पॉर्श कार से एक नाबालिग ने कुचल दिया। उनके शव सोमवार को अंतिम संस्कार के लिए गृहनगर जबलपुर लाया गया। अश्विनी के परिजनों ने कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। मारे गए टेक्निकल एक्सपर्ट में से एक के परिवार ने आरोप लगाया है कि आरोपियों को पुलिस स्टेशन में वीआईपी ट्रीटमेंट दिया गया।

घर के आंगन में कर रहे थे गांजे की खेती, 244 पौधे जब्त, दो को भेजा जेल

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के अमरकंटक थाना क्षेत्र में दो आरोपियों ने घर के आंगन में गांजे के पौधे उगा रखे थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया है और 244 गांजे के पौधे जब्त किए हैं। अनूपपुर जिले में पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा है। उन्होंने अपने आंगन में गांजे की खेती कर रखी थी। 244 पौधे लगे थे, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

मामला अनूपपुर जिले के अमरकंटक थाना क्षेत्र के ग्राम बहपुर का है। अवैध रूप से गांजे के पौधे घर के पीछे 244 लगे पाए गए। इस पर पुलिस ने सभी पौधों का जब्त किया, जिसका वजन 32 किला ग्राम यानी कीमत 16.4 हजार रुपये आकी गई है। इस मामले मे मकर महरा पुत्र भूरवल महरा एवं अनुपशाह महरा पुत्र मकर महरा निवासी ग्राम बहपुर को गिरफ्तार किया गया है। न्यायालय ने दोनों को जेल भेज दिया है। उपनिरीक्षक बीएल गोलिया ने बताया कि रविवार को ग्राम बहपुर में मकर महरा पुत्र भूरवल महरा एवं अनूपशाह महरा पुत्र मकर महरा के घर के पीछे बनी बाड़ी में अवैध रूप से गांजे के पौधे लगे होने की सूचना मुखबिर से मिलने पर थाना प्रभारी अमरकंटक साथ में उपनिरिक्षक बीएल गोलिया के नेतृत्व में घेराबंदी करते हुए छापामार कार्यवाही की। घर की बाड़ी में लगे गांजे के 244 पौधे मिले। धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई करते हुए दोनों अरोपितों को राजेंद्रग्राम न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

ब्रिटिश कालीन वरांडा गिरा, कोई हताहत नहीं

छिन गया उसके नीचे कारोबार करने वालों का रोजगार

दमोह। दमोह में ब्रिटिश कालीन वरांडा गिर गया। गनीमत रही कि रात को हादसा हुआ और कोई हताहत नहीं हुआ। सोमवार को पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने भी दमोह पहुंचकर वरांडा गिरने के बारे में जानकारी ली।

दमोह शहर के घंटाघर के पास ब्रिटिश कालीन वरांडा गिरने के बाद दर्जनों लोग बेरोजगार हो गए हैं। इसी वरांडा के नीचे वह अपना कारोबार करते थे। अब वरांडा ही जमींदोज हो गया है और इसके नव-निर्माण में काफी समय लग जाएगा। तब तक यह दर्जनों लोग बेरोजगारी की मार झेलेंगे।

शहर के गांधी चौक के समीप 1866 में ब्रिटिश काल में तीन वरांडों का निर्माण किया गया था। इसे हाकगंज वरांडा के नाम से पूरा जिला जानता है। इस प्राचीन धरोहर के पास एक व्यापारी ने अपने शॉपिंग मॉल निर्माण के बेसमेंट की खुदाई करवाई तो वरांडा की नींव कमजोर हो गई। शनिवार रात वह जमीदोज हो गया। गनीमत रही कि हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। यदि एक या दो घंटे पहले यह वरांडा गिरता तो कई लोगों की जान जा सकती थी। जैसे ही वरांडा गिरा, हड़कंप की स्थिति बन गई। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन कर मलबे में दबे पोकलेन मशीन के चालक और परिचालक को गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर मौके पर पहुंचे। पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए। 48 घंटे में यह जांच पूरी होनी है। मंगलवार शाम तक इस जांच का प्रतिवेदन प्रशासन के अधिकारियों को कलेक्टर को देना है। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस प्राचीन धरोहर का निर्माण सोमवार से पुन: कराया जाएगा और जिस शॉपिंग मॉल निर्माण कार्य के चलते यह बरांडा धराशायी हुआ है, उस निर्माण को भी अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। एक ओर प्राचीन वरांडा गिरने के साथ ही लोगों को अपनी प्राचीन धरोहर खोने का दुख है तो वहीं दर्जनों छोटे-छोटे दुकानदार आज सड़क पर आ गए हैं। इसी वरांडा के दोनों और एक दर्जन से अधिक छोटी-छोटी दुकान पिछले कई वर्षों से लगती आ रही थी। प्रतिदिन लोग यहां खरीदी करते थे। वरांडा गिरने के बाद प्रशासन ने चारों ओर बेरिकेडिंग कर दी है। यहां एक भी दुकान दिखाई नहीं देती। सोमवार को पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल भी दमोह पहुंचे थे। उन्होंने वरांडा गिरने के मामले में जानकारी लेकर जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

बेटे की शादी में घूमर डांस कराने के बाद समाज से बेदखली झेल रहा परिवार

हरदा। जिस पिता ने अपने बेटे की शादी में राजस्थान के कलाकार बुलाकर घूमर डांस कराया और डीजे बजवाया अब उसे समाज से बेदखल कर दिया गया है। पिता के मन में बेटे की शादी को बड़े स्तर पर करने के अरमान थे। पिता ने अपने अरमान पूरे भी किए, लेकिन अब समाज से बेदखल करने के साथ साथ एक लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया गया बल्कि समाज में होने वाली अन्य शादियों की दावत में भी नहीं बुलाया जा रहा है। अपने परिवार की इस अनदेखी और समाज के कुछ चुनिंदा लोगों के इस कृत्य से दुखी होकर उसने अधिकारियों को लिखित शिकायत कर उसके साथ न्याय करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। शहर के छीपानेर रोड अल्कापुरी कालोनी के सामने रहने वाले 40 साल के रशीद खां पिता समशुद्दीन खां ने बताया कि वह लकड़ी का कारोबार करता है। 5 फरवरी 2024 को थाना प्रभारी सिटी कोतवाली के नाम आवेदन देकर बताया था कि उसके परिवार को समाज में प्रतिबंधित करने एवं अपमानित किया गया है। वह मारवाड़ी लोहार समाज का सदस्य है। 23 जनवरी 2024 को समाज का सामूहिक सम्मेलन संदलपुर में था। वहां मेरे पुत्र मोईन खान का निकाह संपन्न हुआ। मेरे घर पर 30 जनवरी 2024 को बेटे के निकाह के उपलक्ष्य में दचित एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। इसमें नाच गाने के लिए राजस्थान से घूमर नृत्य प्रस्तुत करने कलाकारों को बुलाया। इस मामले की शिकायत रशीद ने सिटी थाना प्रभारी से लेकर एसपी और कलेक्टर तक से कर कार्रवाई की मांग की है। रशीद ने कहा कि समाज में जाग्रति लाने उन्होंने बेटे के विवाह में आयोजन किया। कुछ लोग मेरे परिवार की छवि धूमिल कर रहे हैं, जिससे मेरा पूरा परिवार व्यथित है। मेरा परिवार समाज में प्रतिष्ठित परिवार है। मेरे परिवार की मानहानि करने का प्रयास उक्त लोगों ने किया है। रशीद ने 27 जनवरी 2024 को एसडीएम से कार्यक्रम की अनुमति लिए जाने के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए हैं।

आयोजन से पहले ली थी अनुमति

आयोजन प्रशासन से विधिवत अनुमति लेकर किया था। आयोजन में समाज के सभी लोग आए, जिन्होंने कार्यक्रम को सराहा। समाज के कुछ लोगों ने मेरे परिवार के इस आयोजन से जलकर परिवार के विरुद्ध साजिश रचना शुरू कर दी। परिवार के विरुद्ध अफवाहें फैलाई जाने लगी। रशीद ने अफवाह फैलाने वाले करीब आठ लोगों के आवेदन में नाम भी लिखे हैं। इन लोगों द्वारा कहा जा रहा है कि मेरे परिवार को समाज में प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। समाज में कोई भी हमारे परिवार से कोई संबंध नहीं रखेगा। परिवार से एक लाख रुपये अर्थदंड वसूला जाएगा। ये लोग बैठक बुलाकर इस प्रकार के प्रस्ताव रखने की भूमिका बना रहे हैं। रशीद ने कहा कि मेरे एवं मेरे परिवार द्वारा वर्ष 2020 में समाज के सामूहिक सम्मेलन के लिए 3 लाख रुपये दान किया गया था।

दूषित पानी पीने से एक बच्चे की मौत

30 से अधिक लोगों को उल्टी दस्त की शिकायत

टीकमगढ़। टीकमगढ़ जिले के नगारा गांव में दूषित पानी पीने से एक बच्चे की मौत हो गई। वहीं, 18 बच्चे, 12 महिलाएं और पांच पुरुषों को उल्टी और दस्त की शिकायत हुई है, जिन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया है।

टीकमगढ़ की ग्राम पंचायत दरी के अंतर्गत आने वाले नगारा गांव में मंगलवार सुबह दूषित पानी पीने से 35 लोग बीमार हो गए। इसमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं, जिसमें एक पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची है और स्कूल को अस्थाई अस्पताल के रूप में परिवर्तित करके बीमार लोगों को इलाज दिया जा रहा है। जबकि सात लोगों की हालत गंभीर होने पर टीकमगढ़ जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है।

टीकमगढ़ के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पीके माहोर ने बताया, सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची है। जहां पर बीमार लोगों को इलाज दिया जा रहा है। सभी लोगों में दूषित पानी पीने से उल्टी दस्त की शिकायत हुई थी, जिसमें एक बच्चे जिसकी उम्र पांच साल थी और उसका नाम राजेंद्र था। झांसी मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया, बच्चों की संख्या 18 है, जिनकी उम्र पांच से लेकर 11 साल तक है। वहीं, 12 महिलाएं और पांच पुरुष गंभीर रूप से बीमार हैं। सात लोगों को इलाज के लिए टीकमगढ़ जिला चिकित्सालय भेजा गया है, जबकि बाकी लोगों का इलाज गांव में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार नजर रख रही है।

कुएं का दूषित पानी पीने से हुए बीमार

टीकमगढ़ जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पीके माहोर ने बताया कि हरिजन बस्ती में दो कुएं हैं। एक का पानी खारा है और एक कुएं का पानी मीठा है, जिस कुएं का पानी मीठा है, उसका ग्रामीण उपयोग करते हैं। इन लोगों ने उस पानी को पिया, जिस कारण से वह पानी दूषित था और इस वजह से इन लोगों को उल्टी दस्त की शिकायत हुई। उन्होंने कहा कि दोनों कुएं के सैंपल लिए जा रहे हैं और जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। गांव में अब स्थिति नियंत्रण में है और स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

बिना एक दाना गेहूं रेलवे रैक प्वाइंट पहुंचे ही कागजों में दर्ज...और उधर 13 ट्रक गायब, गिरी गाज

सतना। मध्यप्रदेश में विंध्य क्षेत्र के सतना जिला में किसानों की गेहूं खरीदी में बड़ा गड़बड़झाला सामने आया है। मामले में अब राज्य सरकार द्वारा बड़ा एक्शन लिया गया है। खरीदी में गड़बड़ी करने वाले जिला प्रबंधक अमित गौड़ को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, गेहूं खरीदी में 13 ट्रक गेहूं गायब होने की जांच के बाद स्नङ्कक्रदर्ज की गई थी और अब राज्य सरकार ने संज्ञान लिया है।

पुलिस द्वारा की गई जांच के अनुसार, उपार्जन केन्द्र कारीगोही से 2,360 क्विंटल की आठ ट्रक गेहूं और 13 मई को 1,500 क्विंटल के पांच ट्रक गेहूं का परिवहन किया गया था। लेकिन कुल 13 ट्रक गेहूं गोदाम तक पहुंचे ही नहीं। लेकिन ट्रकों को सर्वेयर द्वारा पास किया गया और कार्पोरेशन के प्रदाय केन्द्रों से स्वीकृति पत्रक जारी कर किसानों को भुगतान भी कर दिया गया।

सर्वेयर का रजिस्ट्रेशन सीएमएमएस पोर्टल पर जिला प्रबंधक के लॉगिन से किया गया था। इस प्रकरण में अमित गौड़ जिला प्रबंधक सतना ने सर्वेयर के रजिस्ट्रेशन और ट्रक से गेहूं गोदाम में जमा होने में पर्याप्त सावधानी नहीं बरती गयी थी।

इस तरह मामले को दिया गया अंजाम

यह पूरा खेल नियम विरुद्ध तरीके से स्वीकृत किए गए खरीदी केंद्र द्वारा किया गया है। इस केन्द्र से पहले 13 ट्रक गेहूं की खरीदी दिखाते हुए रेडी टू ट्रांसपोर्ट किया गया। इसके बाद टीसी काट कर इन ट्रकों को कोटर तहसील के लखनवाह स्थित एमपी वेयर हाउसिंग के गोदाम में जमा करने का आदेश दिया गया।

ये ट्रक खरीदी केन्द्र से वेयर हाउस पहुंचते, इससे पहले ही खेल शुरू हो जाता है। अचानक से टीसी के ऑर्डर में बदलाव किया जाता है।

आदेश में बदलाव कर वेयर हाउसिंग के गोदाम से टीसी को डायवर्ट कर रेलवे रैक प्वाइंट कर दिया जाता है। इस बदलाव के बाद ट्रकों को गेहूं लोड कर रेलवे रैक प्वाइंट पहुंचाना होगा। लेकिन बिना एक दाना पहुंचे, कागजों में अनलोड कर दिया गया। वेयर हाउस से रैक प्वाइंट के लिए डायवर्ट किया गया गेहूं कागजों में रेलवे रैक प्वाइंट पहुंच जाता है। इसके बाद केवल कागजों पर इस गेहूं की जांच होती है और गेहूं को रैक प्वाइंट पर उतार दिया जाता है। इस काल्पनिक गेहूं को नान के सर्वेयर द्वारा स्वीकृत कर दिया जाता है।

नरसिंह मंदिर में शुरु हुआ अखंड रामायण पाठ

छतरपुर। कल यानि की 22 मई को पूरे देश में भगवान नरसिंह का प्रकटोत्सव मनाया जाना है, जिसको लेकर विभिन्न मंदिरों में एक दिन पहले से ही धार्मिक कार्यक्रम शुरु हो गए हैं। छतरपुर शहर के पन्ना रोड पर स्थित नरसिंह मंदिर में 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ कराया जा रहा है, जिसकी बैठकी मंगलवार को प्रातःकाल में हुई। कल मंदिर में धूम-धाम से भगवान नरसिंह का प्रकटोत्सव मनाया जाएगा।

स्कूल फीस बढ़ाने पर कलेक्टर का एक्शन

प्रबंधन अभिभावक को लौटाएगा 15 लाख से अधिक रुपये

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में तीन प्राइवेट स्कूलों पर बड़ा एक्शन देखने मिला है। यहां बिना अनुमति मनमानी तरीके से स्कूल फीस बढ़ाने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है।

ग्वालियर जिले में बड़े-बड़े कॉन्वेंट स्कूल प्रबंधन द्वारा मनमाने ढंग से फीस वसूलने के मामले में कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने मनमानी फीस बढ़ाकर वसूलने के मामले में तीन बड़े स्कूल के प्रबंधन को 15 लाख 21 हजार रुपये बच्चों के अभिभावकों को लौटाने का आदेश दिया है। आदेश में कहा गया है कि यह राशि 30 दिन के अंदर उनके खातों में वापस लौटाएं। फीस वापस कराने का यह ग्वालियर का तो पहला मामला है ही, साथ ही संभवतः मध्यप्रदेश में भी पहली मर्तवा है। जब ऐसा आदेश जारी किया गया हो।

ग्वालियर में अशासकीय विद्यालयों के प्रबंधकों/प्राचार्यों द्वारा पिछले शैक्षणिक सत्र 2023-24 की तुलना में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए फीस वृद्धि किए जाने के कारण विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर जिले के 35 शासकीय विद्यालयों को शिक्षा विभाग के माध्यम से कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। विद्यालयों द्वारा प्रस्तुत जवाबों का परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरान्त पाया गया कि जिले की तीन विद्यालयों द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि की गई है। इन तीनों विद्यालयों को संबंधित छात्रों/पालकों और अभिभावकों को उनके खाते में ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से 30 दिवस में राशि वापस करने के आदेश कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा जारी किए गए हैं। बताया गया कि मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस एवं संबंधित विषयों का विनियम) नियम 2020 के अंतर्गत जिन तीन विद्यालयों को राशि वापस करने के आदेश दिए गए हैं। उनमें अशासकीय कार्मल कॉन्वेट हायर सेकेंडरी स्कूल फालका बाजार लगभग नौ लाख नौ हजार 600 रुपये, अशासकीय सेंट जोसफ कॉन्वेट स्कूल पिपरोली लगभग दो लाख 64 हजार 82 रुपये तथा अशासकीय रामश्री किड्स स्कूल हरिशंकरपुरम लगभग तीन लाख 47 हजार 553 रुपये वापस करने के आदेश दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग दिशा-निर्देशों के क्रम में 10 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि किए जाने पर फीस एवं संबंधित विषयों का विनियम 2020 के अंतर्गत उक्त विद्यालयों द्वारा फीस वृद्धि किए जाने से पूर्व जिला समिति को प्रस्ताव प्रस्तुत कर अनुमोदन भी प्राप्त नहीं किया गया है। शहर के 11 स्कूलों ने फीस बढ़ाने से मना किया है। जांच समिति ने अब इनके विरुद्ध जांच करने का फैसला लिया है। इन स्कूल में देहली पब्लिक स्कूल (ष्ठक्कस्) रायरू, माउंट लिट्रा ज़ी पब्लिक स्कूल रायरू, कीडीज कॉर्नर स्कूल शिवपुरी लिंक रोड, मानवेन्द्र ग्लोबल स्कूल बहोड़ापुर, सिल्वर वेल्स पब्लिक स्कूल शिवपुरी लिंक रोड, ऋषिकुल विद्या निकेतन शिवपुरी लिंक रोड, अशोका इंटरनेशनल स्कूल पिपरौली, राइज इंटरनेशनल स्कूल नैनागिरी स्कूल शामिल हैं।

भाजपा विधायक के पोते ने इंदौर में किया सुसाइड, पुलिस तलाश रही मौत का कारण

इंदौर। पुलिस ने विजय का मोबाइल फोन जब्त किया है, ताकि यह पता चल सके कि उसने आत्महत्या करने से पहले किन लोगों से बात की। पुलिस को विजय के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें किसी को परेशान न करने की बात कही गई है।

खिलचीपुर से भाजपा विधायक हजारीलाल दांगी के पोते ने इंदौर में आत्महत्या कर ली। वह गांधी नगर के एक मकान में किराए से रहता था। इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। उसने आत्महत्या क्यों की, यह पुलिस को अब तक पता नहीं चला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या की जानकारी मिलने के बाद विधायक सहित अन्य परिजन इंदौर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक विधायक हजारी लाल दांगी का पोता विजय दांगी इंदौर के एक लॉ कॉलेज में एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था। वह दो वर्षों से इंदौर में था। उसने सोमवार देर रात अपने कमरे में आत्महत्या कर ली। जब उसने परिजनों का कॉल नहीं उठाया तो उन्हें शंका हुई। इंदौर में रहने वाले रिश्तेदार घर पहुंचे तो वह कमरे में मृत मिला। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने विजय का मोबाइल फोन जब्त किया है, ताकि यह पता चल सके कि उसने आत्महत्या करने से पहले किन लोगों से बात की। पुलिस को विजय के कमरे से सुसाइड नोट भी मिला है। फिलहाल दोस्ती की वजह सामने आ रही है।

जहरीला पदार्थ खाकर मौत को गले लगाया

विजय ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान दी। सुसाइड नोट में उसने लिखा कि वह अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा है। मेरी मौत के बाद परिवार के लोगों को परेशान न करें। विजय के दोस्तों ने परिजनों को बताया कि बीते कुछ दिनों से विजय गुमसुम सा रहता था। वह किसी से बात नहीं करता था।

मोबाइल का पासवर्ड भाई को भेजा

विजय के कमरे से पुलिस को दो पेज का सुसाइड नोट मिला है। नोट में उसने एक टेडी बीयर का भी जिक्र किया और कहा कि यह मुझे मेरी फ्रेंड ने गिफ्ट में दिया है, उसे कोई हाथ न लगाएं। विजय ने लिखा कि उसका मोबाइल का पासवर्ड भाई को भेजा है। उसके फिंगर प्रिंट से भी वह खुल जाएगा। उसने अपने माता-पिता से आत्महत्या के लिए माफी भी मांगी। विजय के पिता सरपंच है। विजय का बड़ा भाई अजय भी इंदौर में रहकर बीबीए कर चुका है।

खिलचीपुर विधायक हजारीलाल दांगी के पोते के निधन पर राजगढ़ सांसद रोडमल नागर ने शोक जताया है। विजय के शव को पोस्मार्टम के बाद परिजन पैतृक गांव काशीखेड़ा ले गए।

स्कूल की गिरी छत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समेत तीन घायल

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के परासिया में स्कूल की छत गिरने से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित तीन लोग घायल हो गए। यह हादसा बाघ बर्दिया में हुआ है, सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। छिंदवाड़ा में परासिया के बाघ बर्दिया में स्कूल की छत गिरने से पोषण आहार बांट रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समेत तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा मंगलवार दोपहर को हुआ। जानकारी देते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्याम कली विश्वकर्मा ने बताया कि दोपहर में पोषण आहार का वितरण कर रही थी। तभी अचानक स्कूल की छत का एक हिस्सा उनके ऊपर गिर गया। इस दौरान श्याम कली विश्वकर्मा की कमर में चोट आई है। जबकि आंगनवाड़ी सहायिका और उनका नाती भी इस हादसे में बुरी तरह से जख्मी हुआ है। तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि उनके यहां आंगनवाड़ी भवन बनकर तैयार हो गया है। लेकिन उसका अभी तक हैंडओवर नहीं किया गया है, जिसके कारण पहले वे पंचायत भवन में ही आंगनवाड़ी की कक्षाएं लगाती थीं। वहीं, पिछले दिनों मीडिल स्कूल में। वह आंगनवाड़ी लगाने लगी स्कूल बिल्डिंग के जिस हिस्से में हादसा हुआ, वह जर्जर नहीं है। बावजूद इसके अचानक छत उनके ऊपर गिर पड़ी। गनीमत यह रही कि इस दौरान मासूम बच्चे यहां पर मौजूद नहीं थे, नहीं तो एक बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

भाई बोला- जीजा, दीदी को छोड़कर दूसरी लड़की संग भाग गए

खरगोन। मध्यप्रदेश में खरगोन जिले के ग्रामीण अंचल में रहने वाली एक विवाहित महिला ने अपने पति की बेवफाई से दुखी होकर जान दे दी। महिला अपने मायके पक्ष की शादी समारोह में आई हुई थी, इस दौरान उसका पति प्रेमिका संग भाग गया। खरगोन जिले में भीकनगांव ब्लॉक के गढ़ी गांव की रहने वाली युवती हिन्तु का विवाह तीन साल पहले भीकनगांव के ही मांगया फालिया निवासी जगदीश बड़ोले से हुआ था। इससे उनकी एक संतान दो साल की बेटी भी है। लेकिन शादी के बाद से ही हिन्तु के पति जगदीश बड़ोले का दूसरी महिला से संबंध था, जिससे वह परेशान रहने लगी थी। इसी बीच दो दिन पहले ही हिन्तु अपने पति संग मायके पक्ष में शादी समारोह में शामिल होने पहुंची थी। जहां उसके पति ने उसे छोड़कर अपनी प्रेमिका संग भाग गया। यह बात हिन्तु को इतनी नागवार गुजरी कि उसने सोमवार दोपहर घर में रखी जहरीली दवाई पी ली। हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल लाया गया, लेकिन यहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जीजा, दीदी को यहां छोड़कर दूसरी लड़की संग भाग गए

वहीं, इस मामले की जानकारी देते हुए मृतिका के भाई रुपेश ने बताया कि उसके जीजा दूसरी लड़की लेकर चले गए थे, जिसके चलते उनकी बहन को कंट्रोल नहीं हुआ और उसने डिप्रेशन के चलते दवाई पी ली थी। उनकी शादी को तीन साल हुआ था और उनकी एक लड़की भी है। दीदी अभी मायके में शादी में आई हुई थी और जीजा उसे यहां तक लाए थे और यहां पर छोड़कर भाग गए। बोलकर गए थे कि अब तेरे को यहां से नहीं ले जाऊंगा और वो दीदी को कहते थे कि अब तेरे को नहीं रखूंगा। उसको रखूंगा और वह नहीं आएगी तो मैं मर जाऊंगा। वह दीदी को टॉर्चर भी करते थे और मारते भी थे। दीदी किसी को मेरे अलावा नहीं बताती थी और एक दिन मेरे सामने भी मारे थे, तो हम लोगों के बीच झगड़ा भी हुआ था।

शादी के बाद से ही कर रहे थे टार्चर

वहीं, मोहनखेड़ा गांव के रहने वाले मृतिका के परिजन सखाराम किराडे ने बताया कि मृतका की तीन साल पहले शादी हुई थी। उसके बाद से ही वे लोग उसको टॉर्चर करते रहते थे और अभी यहां शादी में मेहमान बनकर आए और लड़की को यहां छोड़कर चले गए। मोहनखेड़ा से दूसरी लड़की लेकर वह भाग गए, जिसके कारण हमारी लड़की ने दवाई पी ली और अब हम मांग करते हैं कि उसको सजा मिलना चाहिए।

पचोर में हाइवे पर यात्री बस पलटी दो लोगों की मौत, 40 घायल

इंदौर से पिछोर जा रही थी बस, में 55 यात्री थे सवार

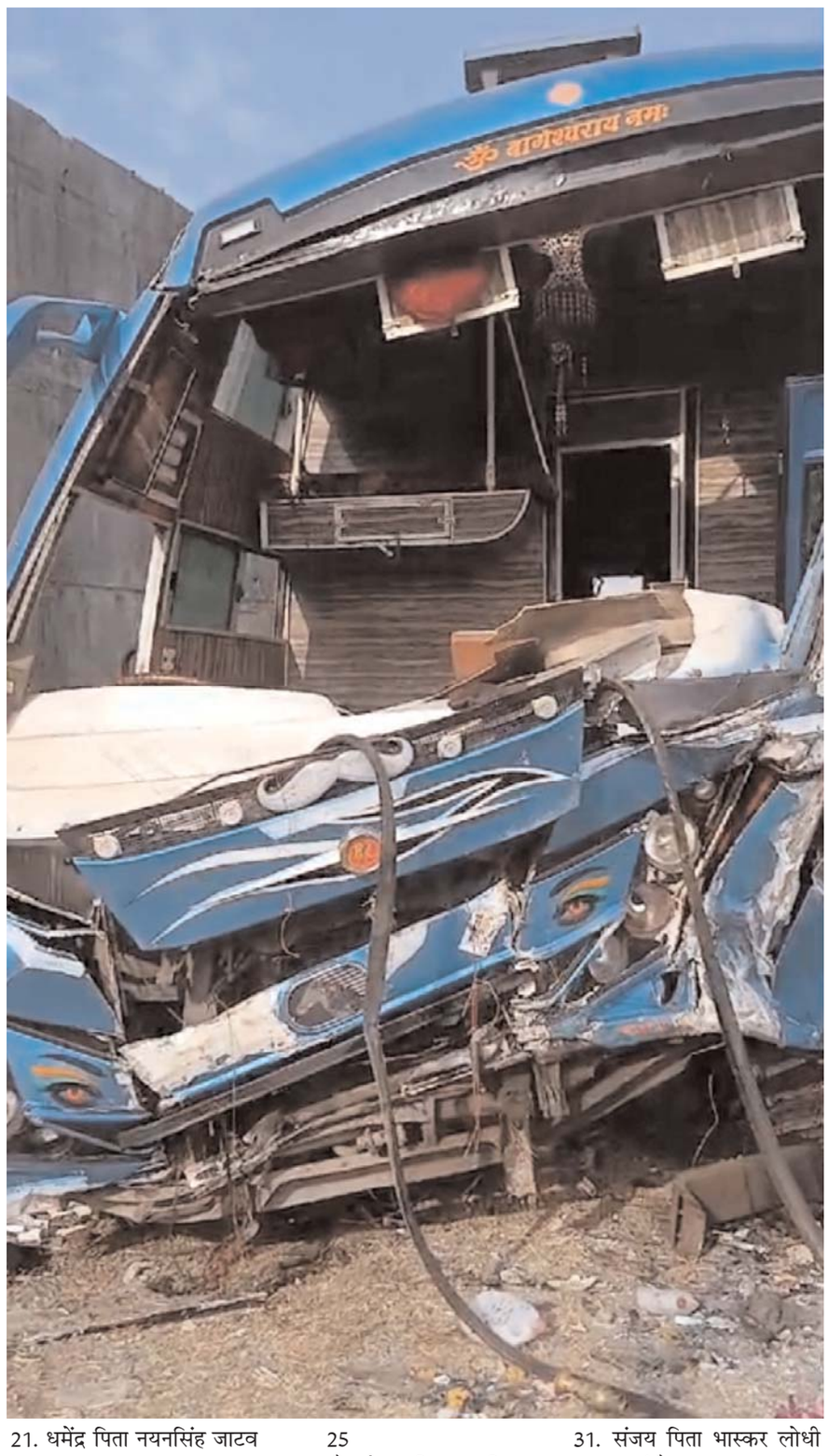

लोकहित की पुकार, सारंगपुर / पचोर। इंदौर से आकर पिछोर जा रही बालाजी बस सर्विस की बस क्रमांक क्क-78-त्ञ्ज-3394 आगरा मुंबई हाइवे पर पचोर के पास हाइवे पर पुलिया से निचे जा गिरी जिससे दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि 40 घायल हो गए है।

घटना रात्रि 1 बजकर 15 मिनट की है. सूचना मिलते ही पचोर थाना प्रभारी आकांशा शर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंची. मौके पर एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंचने के बाद थानाप्रभारी ने ट्रेक्टर ट्रालियो से घायलों को पचोर अस्पताल पहुंचाय। बस में करीब 55 यात्री सवार थे. जिनमे 40 गंभीर घायल हो गए. जबकि दो की मौत हो गयी। थाना प्रभारी आकांशा शर्मा ने बताया की दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी. जिसमे मृतक हरिओम पिता हसरत सिंह कुशवाह निवासी भटोली जिला अशोकनगर का रहने वाला है. दूसरा मृतक अभी अज्ञात है. वहीं घायलो को पचोर अस्पताल की टीम ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया जिसमे 22 घायलों को शाजापुर जबकि 5 गंभीर घायलों को इंदौर रेफर किया है। जबकि 10 घायलों को ब्यावरा भेजा गया. और तीन पचोर में उपचाररत है.

घटना के बाद से ड्राइवर कंडक्टर फरार हो गए जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने अशोकनगर बस मालिक से बातचीत कर पूछताछ कर रही है। पचोर अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ पुष्पराज सिंह परमार ने बताया की बालाजी बस सर्विस की बस पलट गयी जिसमे दो की मौत हो गयी जबकि 40 घायलों को पचोर अस्पताल लाया गया था. जिसमे 22 को शाजापुर, 10 ब्यावरा और 5 को इंदौर रेफर किया गया है. 3 का उपचार यहां चल रहा है जिनकी छुट्टी की जा रही है। मृतकों में एक की शिनाख्त अभी नहीं हो पायी है।

मृतक
हरिओम पिता हजरत सिंह भटोली (21)
अज्ञात (30)

यह हुए घायल

1. अनिल पिता मुंशी 25
2. दीपक पिता अशोक ओझा 18 निवासी नानोरी
3. विशाल पिता गुड्डू 25 निवासी बीना
4. आशीष जाटव 54 निवासी अशोकनगर
5. कमला पति केदार 35 अशोकनगर
6. कार्तिक 7 निवासी अशोकनगर
7. पुनीत पिता रामानंद 40 चंदेरी
8. काजल पिता नमन 30 ईसागढ़
9. नमन पिता पुनीत 35 ईसागढ़
10. हीराबाई पति नरेंद्र प्रजापति 45 अशोकनगर
11. पियूष पिता नरेंद्र 5
12. वेद पिता नरेंद्र 4
13. पप्पू पिता नारायणसिंह 50 अशोकनगर
14. रामबाई पति मिट्ठूलाल 55 निवासी महुआ
15. संजीव यादव 30 निवासी महुआ
16. नितेश पिता पप्पू यादव 15 अशोकनगर
16. कला पिता करण जू 50 बेडा शिवपुर
17. हर्षिता रॉय पिता रामकुमार 20 अशोकनगर
18. रमेश हरिनारायण शर्मा 70 खनियाधाना

19. संदीप पिता रामवीर कुशवाहा 25 अशोकनगर
20. सखी पति धर्मेंद्र जाटव 26 अशोकनगर
21. धर्मेंद्र पिता नयनसिंह जाटव 35
22. बंटी पिता रविदास 21 पदमघट्टा
23. आजादसिंह पिता नारायणसिंह 50 अशोकनगर
24. रितेश पिता भगवतीप्रसाद 20 ईसागढ़
25. रमाकांत पिता हरपलसिंह 25
26. रौशनी पिता किशन कुशवाहा 30
27. सतीश जाटव 25
28. भगवानसिंह पिता सोमलाल 26
29. चतुरसिंह इंदरसिंह 26 बाड़मेर
30. दुर्गेश पिता वीरेंद्र लोधी 22 कोटवारा
31. संजय पिता भास्कर लोधी 19 इंदौर
32. कुमकुम पिता मनोज लोधी 18 खनियाधाना
33. रानू नरवरिया 23 खनियाधाना
34. मोनिका पति विष्णु 23 खनियाधाना
35. सुरेन्द्र पिता अशोकसिंह 25 जबकि 5 अज्ञात घायल है।

राजीव गांधी के पुण्यतिथि पर बलिदान दिवस मनाकर कांग्रेस जनों ने की श्रद्धांजलि अर्पित

लोकहित की पुकार, सारंगपुर। भारत के पंचायत राज एवं दूरसंचार क्रांति के जनक एवं कंप्यूटर ,आधुनिक टेक्नोलॉजी निर्माता और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के पुण्यतिथि के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस एवं शहर कांग्रेस के तत्वाधान में आयोजित बलिदान दिवस पर कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा नगर में ओल्ड ए बी रोड स्थित चौराहे राजीव गाधी पार्क मे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, श्रद्धा सुमन अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई इस अवसर पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबंध करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष आबिद हुसैन लोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा पंचायती राज्य अधिनियम लागू कर पंचायत के जनप्रतिनिधियों को अधिकार दिए और आधुनिक शिक्षा के लिए आईटी सेल के क्षेत्र में कंप्यूटर एवं टेक्नोलॉजी के में क्रांति फैलाने लेकर देश को नई दिशा दी एवं देश में चुनाव की प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए युवाओं को मतदान करने का अधिकार दिया गया एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने आतंकवाद का सामना करते हुए देश के लिए अपना बलिदान देकर शहीद हो गए इस अवसर पर जिला महामंत्री जिला महामंत्री प्रदीप सदानी शहर कांग्रेस अध्यक्ष आबिद हुसैन लोदी निजाम कुरैशी, शोएब हसन राही, युवक कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष कैलाश ठाकुर लखन धनगर घनश्याम मालवीय सुनील पाल महेश सोनी रघुवीर राजपूत वीरेंद्र सोलंकी बालू सिंह शोएब मेव हसीब खान राइस मंसूरी रफीक मंसूरी नायक साहब मुश्ताक अंसारी जुगल विश्वकर्मा बाबू मालवीय आनंद जदव आदि मौजूद रहे।

बदलते मौसम में खान-पान का रखें विशेष ध्यान और गर्मियों में रखें अपना ध्यान

लू से बचें और गर्मियों में बाहर घूमने जाएं तो रखें ध्यान

लोकहित की पुकार, राजगढ भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आमजनों को सलाह दी है कि वे बदलते मौसम में खान-पान का रखें ध्यान ताकि बीमारियां न करें परेशान ताजा और हल्का भोजन ही खाएं, जंक फूड खाने से बचें, पानी अधिक मात्रा में पिएं, फलों का सेवन करें, चाय, कॉफी, गैस वाले पेय पदार्थों का सेवन नहीं करें, गर्मियों में रखें अपना ध्यान ताकि बीमारियां न करें परेशान, धूप और अधिक तापमान की वजह से होने वाली सामान्य परेशानियां जेसे गर्म लाल और सूखी त्वचा, मतली या उल्टी, तेज सिर दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी या ऐठन, सांस फूलना, धड़कन तेज होना, घबराहट, लू से बचें गर्मियों में बाहर घूमने जाएं तो अपना विशेष ध्यान रखें, पीने का पानी, जुस साथ रखें और हाइड्रेटेड रहें, पतले, ढीले सूती वस्त्र पहनें, अपने सिर को छाते/टोपी/तौलिया आदि से ढक लें, ताकि धूप के सीधे संपर्क में आने से बचा जा सके, नंगे पांव बाहर ना निकलें, अपना ध्यान रखें लू से बचें लू लगने के कारण होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है यदि आप या कोई भी अन्य व्यक्ति लू के कारण होने वाले तनाव के लक्षणों का अनुभव करता है, तो तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें।

लू लगने के संकेत

लू लगने के कारण होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है यदि आप या कोई भी अन्य व्यक्ति लू के कारण होने वाले तनाव के लक्षणों का अनुभव करता है तो तत्काल चिकित्सक से संपर्क करना चाहिये। लू लगने के संकेत चक्कर आना, जी मिचलाना, अत्यधिक प्यास लगना, पेशाब कम होना, सिरदर्द, हॉफना और दिल की धड़कन तेज होना आदि लक्षण अना लू लगने के संके होते है।

डिहाइड्रेशन निर्जलीकरण के लक्षण

डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) के लक्षण सांस लेने में तकलीफ, होंठ सूखना या खून आना, स्किन ड्राई होना, सिर दर्द, सुस्ती और थकान, एकाग्रता में कमी, कब्ज, सांस में बदबू आना, मांसपेशियों में दर्द, पेशाब कम होना या उसका रंग बदलना,शरीर में पानी की कमी होने पर होती है। यह स्थिति तब पैदा होती है, जब शरीर से निकलने वाले पानी की मात्रा दिनभर में ली जाने वाली पानी की मात्रा से अधिक हो जाती है। व्यक्ति विशेष और शरीर में पानी की मौजूदगी के आधार पर समस्या की गंभीरता कम या ज्यादा हो सकती है।डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) से बचाव के उपाय तरबूज, खरबूज, संतरा जैसे रसदार फल अधिक मात्रा में खाएं, ह्रक्रस् ओरआरएस का घोल पिएं, नींबू पानी, छाछ, आम पन्ना, नारियल पानी या फ्रेश जूस पिएं, घर से बाहर निकलते वक्त पानी की बोतल साथ में लेकर जाएं, लगातार पानी पीते रहें, चाय-कॉफी गर्म पेय का सेवन करने से बचें यह सावधानियां आवश्यक है।

खर्राघाट पर नहाते समय डूबे दो छात्र, मौत

नर्मदापुरम। बीटीआइ स्थित खर्राघाट पर मंगलवार दोपहर 12.30 बजे गुरुकुल शिविर में शामिल होने आये दो छात्र हादसे का शिकार हो गये। दोनों छात्र शिविर का सत्र समाप्त होने के बाद बिना किसी को बताये खर्राघाट पर स्नान करने के लिये आ गये थे। नहाते समय अचानक गहरे पानी में चले गये इसी दौरान हादसे का शिकार हुये। घटना के समय एक अन्य छात्र भी साथ में था जिसने घटना की जानकारी गुरुकुल के आचार्य व अपने वरिष्ठजनों को दी। मौके पहुंचे लोगों ने छात्रों को खोजने का प्रयास किया काफी मशक्कत के बाद भी दोनों छात्रों की जानकारी नहीं लगी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंचे

होमगार्ड जवान व पुलिस के अमले ने सर्चिंग अभियान चलाया। गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू की गई। करीब शुरू किया करीबन आधे घंटे के प्रयासों के बाद दोनों छात्रों के शव बरामद कर लिए गए हैं। गुरुकुल के पूर्व छात्र संदीप आर्य ने बताया कि दोनों छात्र विदिशा जिले के वर्धा के रहने वाले हैं आर्यन पिता रामबाबू धाकड़ उम्र 15 वर्ष व केशव बब्लू धाकड़ उम्र 17वर्ष निवासी ग्राम वर्धा जिला विदिशा की डूबने से मौत हो गई।

गुरुकुल में 16 मई से 26 मई तक आर्यवीर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी शिविर में शामिल होने के लिये आर्यन व केशव आये हुये थे। दोपहर के समय खाने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान दोनों छात्र बिना किसी को बताये गुरुकुल परिसर से निकलकर खर्राघाट पर पहुंच गये। बताया जा रहा है कि आर्यन व केशव एक साथ ही नर्मदा नदी में नहाने के लिये उतरे थे। गहरे पानी में जाने के कारण दोनों डूब गये। दोनों छात्रों के खर्राघाट जाने की जानकारी गुरुकुल प्रबंधन में किसी को भी नहीं थी। घटना के बाद से ही प्रबंधन भी सकते में है। घटना की जानकारी लगने के बाद गुरुकुल के छात्र व आचार्य मौके पर पहुंचे। छात्रों के स्वजन भी घटनास्थल पर पहुंच गये थे। शवों को होमगार्ड जवानों ने गहरे पानी से निकाला। शवों को पीएम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां पीएम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिये गये हैं।

आचार संहिता में भी धड़ल्ले से बिक रही अवैध शराब, विधायक ने कलेक्टर को लिखा

सागर। सागर में गली-गली अवैध शराब के अहाते खुल रहे हैं। जिसके बाद विधायक चुने गए इंजीनियर प्रदीप लारिया ने एक बार फिर सागर कलेक्टर और सागर पुलिस अधीक्षक को आवेदन देते हुए क्षेत्र में बढ़ रही अवैध शराब की बिक्री और अवैध अहातों पर कार्रवाई करने की बात की है। सागर जिले की नरयावली विधानसभा में चौथी बार विधायक चुने गए इंजीनियर प्रदीप लारिया ने एक बार फिर सागर कलेक्टर और सागर पुलिस अधीक्षक को आवेदन देते हुए क्षेत्र में बढ़ रही अवैध शराब की बिक्री और अवैध अहातों पर कार्रवाई करने की बात की है। विधायक लारिया ने बताया कि मुख्य रूप से बहेरिया, मकरोनिया और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब का विक्रय एक बार फिर तेजी से फल फूल रहा है। इससे पहले भी एक बार विधायक प्रदीप लारिया के शिकायत करने के बाद पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़े स्तर पर अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने का काम किया था, लेकिन एक बार फिर आचार संहिता के चलते हुए भी क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध शराब विक्रय और अवैध अहातों का संचालन किया जा रहा है। जिस पर पुलिस, प्रशासन और आबकारी विभाग को संयुक्त कार्रवाई करते हुए इस पर रोक लगानी चाहिए।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 465697 से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 465697 से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइल:- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।